सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

www.stpi.in

वार्षिक रिपोर्ट

2019 - 2020

वार्षिक रिपोर्ट
2019-2020

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

विषय–सूची

शासी परिषद	4
सामान्य निकाय	5
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की प्रबंधन संरचना	6
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य	7
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) – एक अवलोकन	9
एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन	10
एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात	11
सांविधिक और अन्य सहायता सेवाएं	13
डेटा संचार सेवाएं	14
परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं	15
बीपीओ संवर्धन योजनाएं–आईटी नौकरियों का सृजन	19
सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)	20
संवर्धनात्मक कार्यकलाप	26
एमटीएनएल–एसटीपीआई संयुक्त उद्यम	30
एसपीटीआई का वित्तीय विश्लेषण	31
लेखा विवरण	32
स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट	34
लेखा परीक्षक	37
अनुसूची–22	53
अनुसूची–22क	56
सूचना का अधिकार	64
एसटीपीआई के केन्द्र	65

शासी परिषद*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चद्रशेख़र
माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री अजय कुमार साहनी
सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्री अनिल कुमार नायक
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

श्री भुवनेश कुमार
संयुक्त सचिव (सोसाइटी) तथा
एसटीपीआई के समूह समन्वयक
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री सुनिल कुमार सिंघल
उप महानिदेशक (डी एस)
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशुतोष अग्निहोत्री
संयुक्त सचिव (सीआईएस)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री एस आर बरूआ
प्रधान महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री अमित यादव
महानिदेशक विदेश व्यापार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संदीप नरूला
अध्यक्ष
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी)

श्री एन. चन्द्रशेखरन
अध्यक्ष
मै. टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज

श्री जसविंदर एस. अहूजा
कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मै. केडंस डिजाइन सिस्टम (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

श्री अरूण जैन
अध्यक्ष
मै. इन्टेलेक्ट डिजाइन एरेना लिमिटेड

सुश्री देबजानी घोष
अध्यक्ष,
नैसकॉम

डॉ. ओंकार राय
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविंद कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

* दिसम्बर 2021 की स्थिति के अनुसार

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल ,संचार तथा
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्री, भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री राजीव चद्रशेख़र
माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता
तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
राज्य मंत्री, भारत सरकार

कार्यकारी उपाध्यक्ष

श्री अजय कुमार साहनी
सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्री अनिल कुमार नायक
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री भुवनेश कुमार
संयुक्त सचिव (सोसाइटी) तथा
एसटीपीआई के समूह समन्वयक
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री सुनिल कुमार सिंघल
उप महानिदेशक (डी एस)
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आशुतोष अग्निहोत्री
संयुक्त सचिव (सीआईएस)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री एस आर बरूआ
प्रधान महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन,
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री अमित यादव
महानिदेशक विदेश व्यापार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. ओंकार राय
वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई

सदस्य सचिव

श्री अरविंद कुमार
महानिदेशक, एसटीपीआई

* दिसम्बर 2021 की स्थिति के अनुसार

एसटीपीआई की प्रबंधन संरचना

शासी परिषद

शासी परिषद, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का शीर्ष प्रबंधन निकाय है, जो एसटीपीआई की समग्र कार्यप्रणाली का निर्देशन और देखरेख करती है तथा नीतिगत निर्देश प्रदान करती है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'अध्यक्ष'** हैं। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'उपाध्यक्ष'** हैं। सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, शासी परिषद के **'कार्यकारी उपाध्यक्ष'** हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एवं उद्योग संघों के प्रतिनिधि शासी परिषद के सदस्य हैं ।

महानिदेशक

महानिदेशक (डीजी), एसटीपीआई शासी परिषद के सदस्य–सचिव हैं तथा शासी परिषद के मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंधन तथा संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल संचालन के लिए महानिदेशक को आवश्यक कार्यकारी शक्तियां तथा प्राधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं।

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड)

संस्था के संस्थापना प्रलेख के अनुसार, निदेशकों की कार्यकारी समिति (ईकॉड), जो संस्था का एक अंग है, शासी परिषद एवं प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से प्रशासनिक, वित्तीय, संचालन और इस तरह के नीतिगत मामलों की समीक्षा एवं मंजूरी प्रदान करने जैसे कार्य करती है। ई–कॉड की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, शासी परिषद, एसटीपीआई द्वारा की जाती है।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी)

ऐसे प्रत्येक राज्य में जहाँ एसटीपीआई का केन्द्र है, नीतिगत और संचालन संबंधी मामलों में उद्योग और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए एक स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) का गठन किया जाता है। स्थायी कार्यकारी बोर्ड, एसटीपीआई केन्द्रों/उप केन्द्रों की भावी विस्तार योजनाएं तैयार करने, सुविधाओं का दर्जा बढ़ाने, प्रत्येक एसटीपीआई केंद्र की वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करने और महानिदेशक, एसटीपीआई को परामर्श देने का कार्य करता है।

वरिष्ठ निदेशक

वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई मुख्यालय के प्रमुख हैं। वरिष्ठ निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

निदेशक

निदेशक, एसटीपीआई केन्द्र के तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। निदेशक, एसटीपी और ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए सबंधित अधिकार क्षेत्र में क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य

कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी ने दुनिया के सामाजिक और आर्थिक ताने–बाने को बाधित कर दिया है। यद्यपि कोविड –19 ने अधिकांश क्षेत्रों को प्रभावित किया, लेकिन इस दौर में भी भारतीय आईटी/आईटीईएस उद्योग ने कार्यालय से दूरस्थ कार्य व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करके अपने ग्राहकों को महत्वपूर्ण कार्यों की निरंतरता की गारंटी दी है। एसटीपीआई ने अपने सदस्य इकाइयों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम (डब्लूएफएच) की अनुमति प्रदान करके उत्प्रेरक भूमिका निभाते हुए अपने ग्राहकों को निर्बाध रूप से सेवा उपलब्ध करायी है। एसटीपीआई ने पूरे भारत के अपने सभी केंद्रों में लीन स्टाफिंग मॉडल सुनिश्चित कर एसटीपी/ईएचटीपी इकाइयों के बिजनेस निरंतरता योजना को भी सुगम बनाए रखा है।

डब्लूएफएच सुविधा ने भारतीय आईटी उद्योग को देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान भी अपने वैश्विक ग्राहकों को कुशलतापूर्वक सेवा और महत्वपूर्ण समाधान (क्रिटिकल सॉल्यूशन) प्रदान करने में सक्षम बनाया है। व्यापक संचार नेटवर्क, डेटा केंद्र और क्लाउड एडॉप्शन जैसी सुविकसित आईटी–ग्रेड आधारभूत सुविधाओं से आईटी कंपनियों ने व्यापार जारी रखने में काफी स्थिरता और लचीलापन दर्शाया है। सरकार ने मानदंडों में ढील देने और विभिन्न नीति संशोधनों के लिए आवश्यक उपाय भी किए, जिसने भारतीय आईटी कंपनियों को उनके संचालन को प्रभावित किए बिना, वैश्विक ग्राहकों को सतत सेवा प्रदान करने में सहायता की है।

भारत ने पिछले तीन दशकों में वैश्विक आईटी सेवा बाजार में अपना एक स्थान बनाया है और स्पष्टतया एक वैश्विक आईटी सुपरपावर का गौरव हासिल किया है। हम जैसे जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी वैल्यू चैन के अगले लेवल की ओर बढ़ रहे हैं उपयुक्त है कि एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो, जिसके माध्यम से नवप्रवर्तनकर्ता, नवोदित उद्यमी और स्टार्ट–अप, ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के निर्माण में उभरती प्रौद्योगिकियों की क्षमता का लाभ उठा सकें। अब सभी विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी प्रतिभा पूल, अनुसंधान एवं विकास संस्थान और शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर सहयोग से, देश स्वयं को सेवा–आधारित अर्थव्यवस्था से उत्पाद–संचालित अर्थव्यवस्था में बदल सकता है और विश्व स्तर के उत्पादों को विकसित करके राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है।

भारतीय आईटी–बीपीएम उद्योग ने वित्त वर्ष 2018–19 के 177 बिलियन डॉलर की तुलना में वित्त वर्ष 2019–20 में 191 बिलियन डॉलर राजस्व के साथ 7.91% की वृद्धि दर्ज की है । इस उद्योग का निर्यात वित्त वर्ष 2018–19 के 136 बिलियन डॉलर से बढ़ कर वित्त वर्ष 2019–20 में 147 बिलियन डॉलर हो गया है जबकि इसी अवधी में घरेलू राजस्व (हार्डवेयर सहित) बढ़ कर 44 बिलियन डॉलर हो गया है । आईटी सेवा निर्यात 2018–19 के 74 बिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर 2019–20 में 79 बिलियन डॉलर हो गया है और इसने 6.8% की वृद्धि दर्ज की है। आईटीईएस/बीपीएम निर्यात वर्ष 2018–19 के 31 बिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2019–20 में बढ़ कर 33 बिलियन डॉलर हो गया है और इसने प्रति वर्ष 6.45% की वृद्धि दर्ज की है। ई आर एंड डी में 9.68% की वृद्धि हुई है जो वर्ष 2018–19 के 31 बिलियन डॉलर की तुलना में 2019–20 में बढ़ कर 34 बिलियन डॉलर हो गया है।

वर्ष 2019–20 में आईटी सॉफ्टवेयर और सेवाओं में 2,60,000 रोजगार की वृद्धि हुई है, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या 4.36 मिलियन हो गयी है जबकि इस क्षेत्र में अप्रत्यक्ष रोजगार की संख्या लगभग 10 मिलियन है। यह अनुमान है कि आईटी–बीपीएम क्षेत्र का बाजार 2025 तक बढ़ कर 350 बिलियन डॉलर हो जाएगा और कुल राजस्व में बीपीएम का हिस्सा 50–55 बिलियन डॉलर हो जाएगा । कुल भारतीय सेवा निर्यात में 45% के साथ आईटी–बीपीएम क्षेत्र का हिस्सा सबसे बड़ा है । आईटी–बीपीएम क्षेत्र (हार्डवेयर सहित) का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान वर्ष 1998–99 के 1.2% की तुलना में 2019–20 में बढ़ कर लगभग 8%हो गया है।

आईटी–बीपीएम निर्यात में वृद्धि के लिए यूएस 62% हिस्सेदारी के साथ आईटी–बीपीएम निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी स्थान बनाये हुए है, इसके बाद यूके का 17%, यूरोप महाद्वीप का 11%, एपीएसी का 8% और शेष विश्व का हिस्सा 2% है। कुल निर्यात में शीर्ष पांच वर्टिकल्स का हिस्सा 90% से अधिक है, जिसमे बीएफएसआई का योगदान 41%, हाई–टेक/टेलकॉम का 18%,विनिर्माण का 17%, खुदरा का 10% और स्वास्थ्य देखभाल का योगदान 5% है।

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों के निर्यात ने 10.88% की वृद्धि दर्ज की है और यह वित्त वर्ष 2018–19 के 4,21,103 करोड़ रुपये से बढ़ कर वित्त वर्ष 2019–20 में 4,66,926 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2019–20 में 100 एसटीपी इकाईयाँ पंजीकृत की गयीं।

वर्तमान वित्त वर्ष में टेक स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय है । लगभग 1300 नए स्टार्टअप और 9 यूनिकॉर्न के जुड़ने के साथ ही देश में स्टार्टअप की संख्या 9300 से अधिक और यूनिकॉर्न की संख्या 26 हो गयी है। यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र हो गया है।

राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति (एनपीएसपी) 2019 की परिकल्पना के अनुसार भारत को उत्पाद राष्ट्र में परिवर्तित करने की सरकार की कल्पना के अनुरूप एसटीपीआई ने अनेक उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों जैसे कि एआई एंड कंप्यूटर विजन, आईओटी, फिनटेक, ब्लॉकचेन, ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रियलिटी, गेमिंग एंड एनीमेशन, ईएसडीएम, डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, ऑटोमोटिव कनेक्टेड इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड मोबिलिटी, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हेल्थ इन्फार्मेटिक्स में सहयोगात्मक मॉडल से डोमेन केन्द्रित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की नीतियाँ बनाई हैं। स्टार्टअप्स, नवोदित उद्यमियों और इनोवेटर्स को कल का सफल प्रौद्योगिकीय उद्यम बनाने और अनुसंधान और नवाचार और प्रौद्योगिकी के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एसटीपीआई ने उद्योग, शैक्षणिक समुदायों, उद्योग संघों, राज्य सरकारों और वेंचर कैपिटलिस्टों के साथ सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया है। एसटीपीआई ने 13 सीओई लांच किये जिनमें नई दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क–चेन्नई में फिनब्लू, भुवनेश्वर में वीएआर सीओई, पुणे में मोशन, बेंगलुरू में आईओटी ओपन लैब, भुवनेश्वर में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, मोहाली में न्यूरॉन और हैदराबाद में इमेज शुरू किए गए हैं। इसके अतिरिक्त गुरुग्राम में एपेरी, ओक्टटेन सीईओ के अंतर्गत गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, शिलांग में एनिमेशन, इंफाल में इमर्जिंग टेक–एआर/वीआर, सीइओ, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इस्टिटूट, लखनऊ में मेडटेक सीईओ और बेंगलुरु में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी) शुरू किये जाने की योजना है।

इसके अलावा, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था, अग्रणी उत्पाद विकसित कर न केवल धन सृजन को बढ़ावा देगा बल्कि कौशल की एक नई पौध विकसित करेगा जिसके माध्यम से भारत किफायती उत्पाद और समाधान का निर्माण कर सामाजिक चुनौतियों का समाधान कर सकता है, हर स्तर पर आर्थिक समावेशन में वृद्धि कर सकता है और परिणामस्वरूप, अभिनव नवाचार उत्पादों के बड़े पैमाने पर उत्पादन पर फोकस कर सकल घरेलू उत्पाद में काफी बड़ा परिवर्तन ला सकता है और विकसित राष्ट्रों की वैश्विक लीग में शामिल हो सकता है।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई)–एक अवलोकन

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की स्थापना और पंजीकरण, संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अंतर्गत 5 जून, 1991, को की गई थी, जिसका उद्देश्य सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स (एसटीपी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स (ईएचटीपी) योजनाओं के कार्यान्वयन, आधारभूत सुविधाओं की स्थापना और उनका प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

संस्था के उद्देश्य

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के उद्देश्य हैं:

क) सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं/जैव–आईटी सहित सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के विकास और निर्यात को बढ़ावा देना।

ख) एसटीपी/ईएचटीपी तथा ऐसी अन्य योजनाओं को, जोकि सरकार द्वारा समय–समय पर तैयार करके सौंपी जाती हैं, कार्यान्वित करके निर्यातकों को सांविधिक तथा अन्य संवर्धनात्मक सेवाएं उपलब्ध कराना।

ग) सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं उद्योगों को मूल्य संवर्धित सेवाओं सहित डेटा संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना।

घ) सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं के क्षेत्र में उद्यमशीलता के लिये अनुकूल वातावरण सृजत करके छोटे, लघु व मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देना।

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान हासिल की गई मुख्य उपलब्धियां तथा निष्पादित कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

सांविधिक सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई प्रारंभ से ही निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत पूरे देश में फैले विभिन्न एसटीपीआई केन्द्रों से सिंगल विन्डो क्लीयरेंस मैकेनिज्म द्वारा सांविधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है:

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना

(ख) इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजना

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान एसटीपी योजना में 96 नयी इकाइयां और केवल साफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाऐं प्राप्त करने वाली 677 इकाइयां पंजीकृत की गयी। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2019–20 में कुल 773 इकाइयां पंजीकृत की गई। पिछले 3 वर्षों के दौरान, एसटीपीआई के साथ पंजीकृत इकाइयों की कुल संख्या का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है:

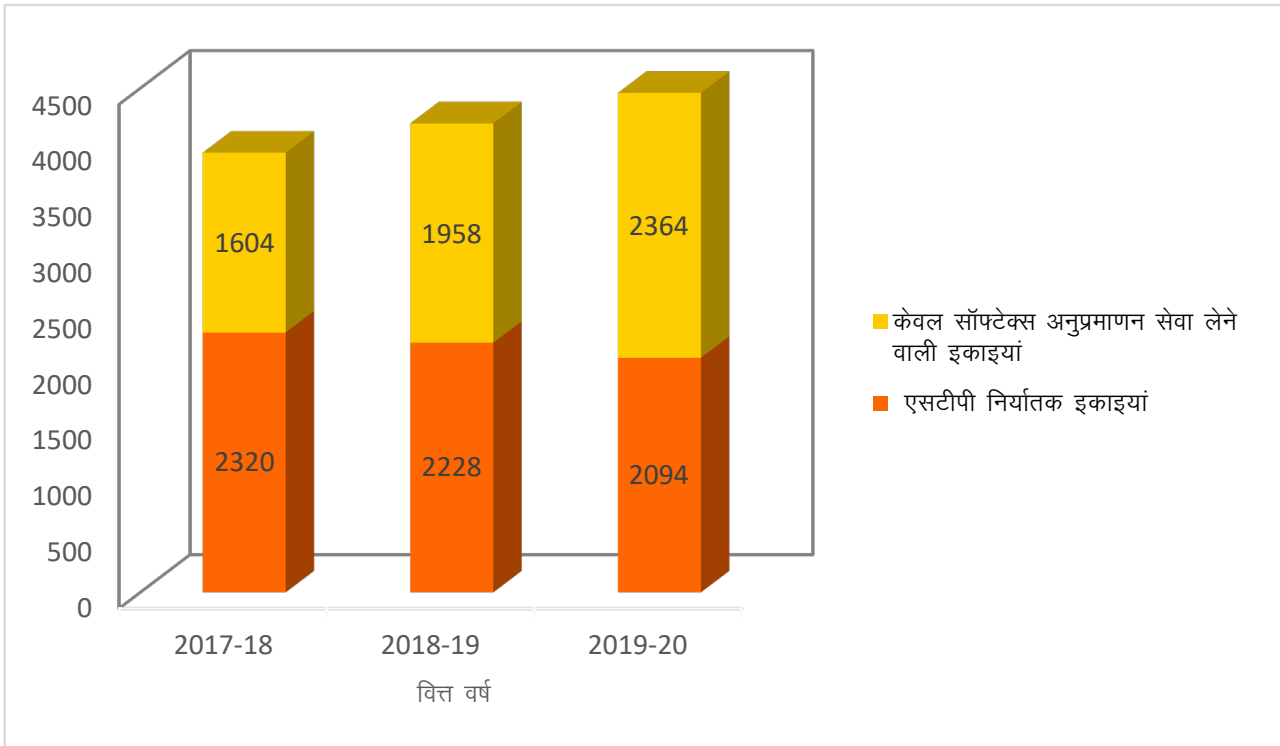

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात वर्ष 2018–19 के ₹ 4,21,103 करोड़ की तुलना में वर्ष 2019–20 में बढ़ कर ₹ 4,68,276 करोड़ हो गया और यह वृद्धि 11.20 प्रतिशत है। वर्ष 2019–20 के दौरान किए गए निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

क) एसटीपी योजना (एफटीडीआर अधिनियम 1992 के अंतर्गत) के अंतर्गत सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 3,95,943.80 करोड़ का निर्यात किया ।

(ख) केवल सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 72,332.64 करोड़ का निर्यात किया।

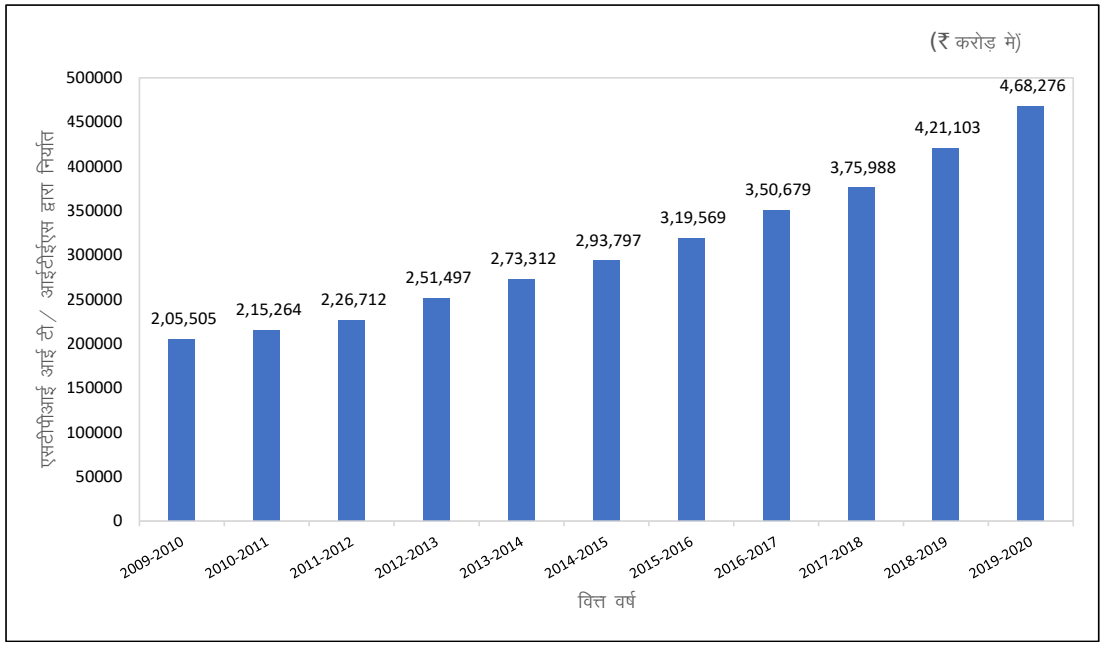

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शसित प्रदेश का नाम	वर्ष 2019–20 (₹ करोड़ में)
1	आंध्र प्रदेश	846.77
2	असम	22.27
3	बिहार	..
4	चंडीगढ	573.49
5	छत्तीसगढ	86.77
6	दिल्ली	1,861.34
7	गोवा	136.21
8	गुजरात	3,570.80
9	हरियाणा	25,478.77
10	हिमाचल प्रदेश	5.13
11	जम्मू और कश्मीर	6.24
12	झारखंड	14.24

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	वर्ष 2019–20 (₹ करोड़ में)
13	कर्नाटक	1,94,473.38
14	केरल	3,620.47
15	मध्य प्रदेश	756.72
16	महाराष्ट्र	91,513.90
17	मेघालय	15.00
18	ओडिशा	2,496.33
19	पुद्दुचेरी	341.77
20	पंजाब	558.83
21	राजस्थान	1,211.87
22	सिक्किम	19.43
23	तमिलनाडु	46,704.16
24	तेलंगाना	64,525.90
25	उत्तर प्रदेश	22,118.66
26	उत्तराखंड	137.85
27	पश्चिम बंगाल	7,180.13
	कुल	**4,68,276.44**

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वर्ष 2018–19 के ₹ 7,677 करोड़ की तुलना में, वर्ष 2019–20 में घट कर ₹ 7,257 करोड़ हो गया है और यह कमी 5.78% है।

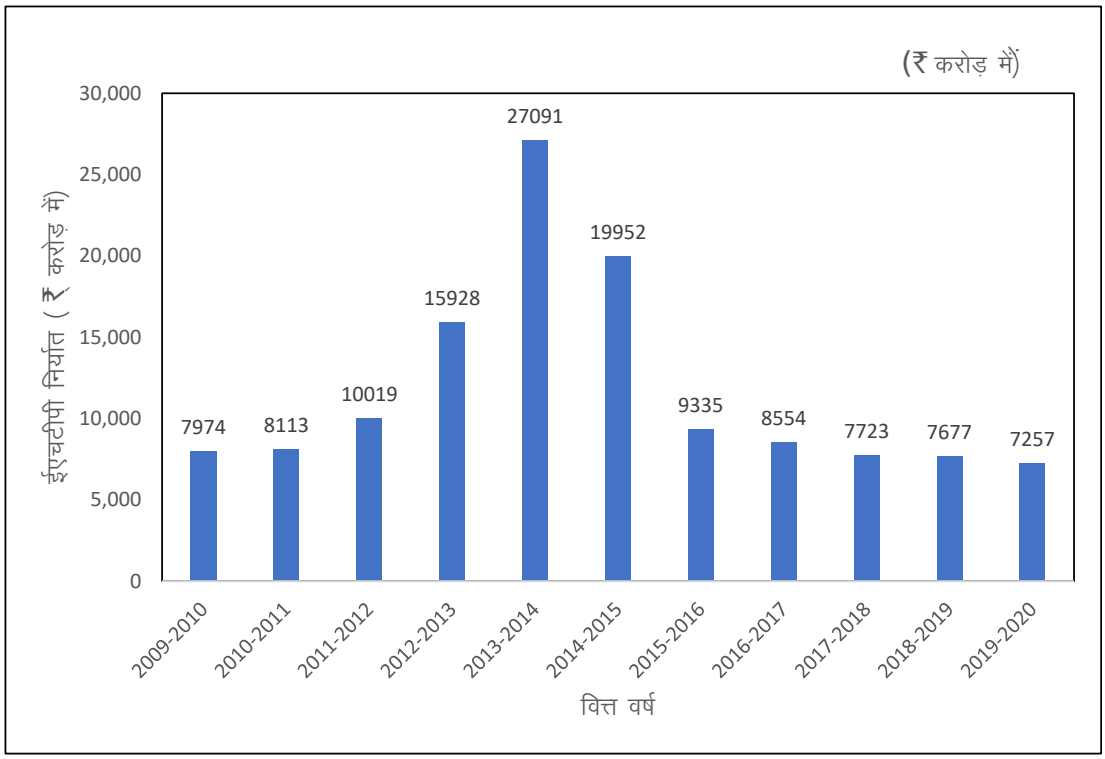

सांविधिक और अन्य सहायता सेवाएं

सांविधिक और अन्य सहायता सेवाओं के प्रावधान के लिए केन्द्रों/सुविधाओं की स्थापना और विस्तार

आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग के संवर्धन और विकास के अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयास में नए एसटीपीआई केन्द्रों की स्थापना की दिशा में और अधिक जोर दिया गया और मौजूदा केन्द्रों में सुविधाओं का सुधार और विस्तार किया गया। नए केंद्र और सुविधाओं का उद्देश्य उद्योग को सांविधिक और इन्क्यूबेशन सेवाएं प्रदान करना है ताकि सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के यथा संभव उच्चतम निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस समय पूरे देश में एसटीपीआई के कुल 60 केंद्र परिचालन में हैं, जिनमें से 52 टियर II और टियर III शहरों में हैं ।

वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान एसटीपीआई के निम्नलिखित बुनियादी सुविधाओं/केन्द्रों का परिचालन शुरू हो गया:

- एसटीपीआई–श्रीनगर में 23,960 वर्ग फीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा को 22–01–2020 से परिचालित किया गया।

निम्न नये केन्द्रों में बुनियादी ढांचे की स्थापना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो में है :

1. ईटानगर
2. आगरा
3. अमृतसर
4. गोरखपुर
5. मेरठ
6. कोचि
7. बालासोर
8. धनबाद
9. जमशेदपुर
10. बोकारो
11. भागलपुर
12. दरभंगा
13. कोरापुट

डेटा संचार सेवाएं

डेटा संचार सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान हाई स्पीड डेटा कम्यूनिकेशन (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया, अत्याधुनिक एचएसडीसी नेटवर्क, सॉफ्टनेट, सॉफ्टवेयर निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर उपलब्ध है।

एसटीपीआई केन्द्रों में अंतर्राष्ट्रीय गेट्वे तक लोकल के लिए लोकल, प्वाइंट–टू–प्वाइंट और प्वाइंट–टू–मल्टी प्वाइंट माईक्रोवेव रेडियो के जरिए उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें लास्ट माईल समस्या को दूर किया गया है तथा एसटीपीआई लगभग 99.9 प्रतिशत का उच्च अप–टाईम कायम रखने में सक्षम हुआ है। जहाँ कहीं भी संभव हैं, वहाँ स्थलीय केबल (फाइबर/कॉपर) भी इस्तेमाल किये जाते हैं। ये संचार सुविधाएँ अपतटीय सॉफ्टवेयर कार्यकलापों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं और कई आईटी/आईटीईएस उद्यमों की सफलता के लिए आधार के रूप में कार्य करती हैं।

एसटीपीआई अपने नेटवर्क के जरिये निम्नलिखित एचएसडीसी सेवाएं उपलब्ध कराता है:

- साझेदारी पर आधारित इंटरनेट सेवाएं–सॉफ्टलिंक
- को–लोकेशन सेवाएं

सॉफ्टलिंक

सॉफ्टलिंक एक ऐसी सेवा है, जो शेर्यड और डेडिकेटेड आधार पर इंटरनेट अभिगम्यता उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के लिए यह सेवा शुरू की गयी थी। आज काफी संख्या में ग्राहकों द्वारा सॉफ्टलिंक सेवा का लाभ उठाया जा रहा है। वर्ष 2019–20 में, पूरे देश में, एसटीपीआई ने लगभग 15,596 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ की सुविधा दी है, जिनमें अधिकतर एसटीपीआई पंजीकृत इकाइयां हैं।

अभिगम्यता नेटवर्क/अंतिम छोर तक संपर्क

अंतिम छोर तक विश्वसनीय सम्पर्क उपलब्ध कराने की दृष्टि से एसटीपीआई ने प्वाइंट–टू–प्वाइंट और प्वाइंट–टू–मल्टी प्वाइंट बेतार नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का सूक्ष्म तरंग नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे एसटीपी इकाइयों की मूल आवश्यकताएं पूरी होती हैं। माइक्रोवेव ईथरनेट रेडियो जैसी नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा एसटीपीआई के कुल नियंत्रण में लम्बी दूरी के साथ अंतिम छोर तक बड़ी बैंडविड्थ की डिलीवरी कर सका है।

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं

पिछले कई वर्षों में, एसटीपीआई प्रौद्योगिकी सेवाओं ने संख्या और सेवा दोनों में बहुत विकास किया है। आज, एसटीपीआई की पीएमसी सेवा पोर्टफोलियो में संचार एवं आईटी, परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श सेवाएं और आईटी सुरक्षा लेखा परीक्षा सेवाएं शामिल हैं और ये सरकारी विभागों, आईटी उद्योग, शिक्षा जगत के साथ–साथ विदेशी सरकारी संगठनों सहित ग्राहकों की सेवा में कार्यरत हैं।

एसटीपीआई अपने ठोस डोमेन ज्ञान, तकनीकी क्षमता तथा प्रक्रिया ज्ञान के जरिए अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तदनुकूल समाधान हेतु बेहतर रणनीति बनाने में सक्षम हुआ है। इन समाधानों के परिणामस्वरूप संस्थागत संसाधनों का उचित उपयोग और अपेक्षाएं पूरी हुई हैं। दशकों से, एसटीपीआई ने परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करके कई सरकारी संगठनों की सहायता की है।

कर्नाटक वन विभाग (केएफडी),कर्नाटक सरकार के लिए आईटी संरचना उन्नयन हेतु पीएमसी सेवाएं

कर्नाटक वन विभाग (केएफडी),कर्नाटक सरकार बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय के मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करना चाहता है। इस संबंध में केएफडी ने आईटी अवसंरचना की खरीद और परिचालन और रखरखाव के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु बेंगलुरु स्थित अरण्य भवन कार्यालय में मौजूदा आईटी बुनियादी ढांचे का उन्नयन करने के लिए एसटीपीआई को पीएमसी सेवा सौंपी है।

परियोजना स्कोपः

- मौजूदा नेटवर्क आर्किटेक्चर का एएस–आईएस अध्ययन, ईपीएबीएक्स, ऑडियो–विजुअल सॉल्यूशन, सर्वर रूम समेकन, सीसीटीवी, मौजूदा बैंडविड्थ, यूपीएस का आकलन आदि ।
- लैन और वैन का डिजाइन करना, जिसमें वायरलेस सुविधाओं के साथ लैन और वैन, मापनीयता, अतिरेक, नेटवर्क की सुरक्षा और आईटी अवसंरचना के अनुकूलन और बेहतर रखरखाव के लिए नेटवर्क/सर्वर कक्ष का निर्माण शामिल है ।
- निष्क्रिय और सक्रिय नेटवर्क घटक की खरीद के लिए विनिर्देशों के साथ विस्तृत सामग्री बिल (बीओएम) तैयार करना।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए सामग्री के बिल के विस्तृत विनिर्देश (बीओएम) के साथ आरएफपी (निविदा दस्तावेज) तैयार करना ।
- सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए बोलियों के मूल्यांकन के दौरान सहायता ।
- सिस्टम इंटीग्रेटर द्वारा नेटवर्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यान्वयन की निगरानी ।
- नेटवर्क कार्यान्वयन का सत्यापन और साइन ऑफ।
- रिपोर्ट प्रस्तुत करना और प्रमाणन।

खजाने–II परियोजना के लिए परामर्श सेवाएं

ट्रेजरी विभाग, कर्नाटक सरकार ने अपने परिचालन को वर्ष 2002 के दौरान कम्प्यूटरीकृत किया था। नेटवर्क ढांचा "वीसैट" पर तैयार किया गया था और इसका रखरखाव वर्ष 2010 तक एसटीपीआई द्वारा किया गया था, जो बाद में केएसडब्लूएएन को स्थानान्तरित हो गया। विभाग अपने विकेंद्रीकृत आर्किटेक्चर अर्थात खजाने–I को केंद्रीकृत आर्किटेक्चर अर्थात खजाने–II में परिवर्तित कर रहा है। खजाने–II, एक एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) है, जो राज्य बजट के व्यापक लेखा प्रणाली पर ध्यान देता है और उसे दिन प्रति दिन की गतिविधियों के लिए एकीकृत खजाने–II का उपयोग करने के लिए कर्नाटक में सभी हितधारियों के साथ एकीकृत किया गया है।

आईसीटी संरचना और डेटा सेंटर के निर्बाध संचालन के लिए विभाग ने एसटीपीआई की परामर्श सेवाएं ली हैं।

एसटीपीआई ने खजाने–II डेटा सेंटर, डीआर/बीसीपी स्थापित करने के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं और खजाने–II परियोजना के संचालन में मदद की है।

परियोजना स्कोप :

- खजाने–II के डीसी, डीआर और आईसीटी संरचना की जरूरतों को अंतिम रूप देने में सहायता ।
- ट्रेजरी कार्यालय के लिए अनेक आईटी/नॉन–आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया में सहायता करना।
- पूरे 218 ट्रेजरी कार्यालयों में लैन स्थापित करने के दौरान और डेटा सेंटर में नॉन–आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने में सिस्टम इंटीग्रेटर के साथ समन्वय।
- परियोजना कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए परियोजना की प्रगति की समीक्षा और प्रबंधन को अद्यतन करना।

कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सोसाइटी (केएमडीएस) (विगत में एमआरसी के रूप में ज्ञात) डेटा सेंटर हेतु डेटा सेंटर संरचना सेवाएं

एसटीपीआई, कर्नाटक म्युनिसिपल डेटा सेंटर के लिए परिचालन और रख रखाव सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमे केएमडीएस डेटा सेंटर के आरंभ से ही नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन के लिए सर्वर और सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन, डीबीए, आदि शामिल है। केएमडीएस को एसएएन और इंटरनेट जैसी सम्बद्ध सेवाएं भी दी जा रही हैं। इसके साथ म्युनिसिपल प्रशासन निदेशालय (डीएमए) सफलतापूर्वक सभी नागरिक केन्द्रित एप्लीकेशन्स प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई ने सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की हैं और सिस्टम, डेटाबेस और नेटवर्क का 99.9 प्रतिशत अपटाइम बनाए रखने में सफल रहा है।

परियोजना स्कोप :

केएमडीएस डेटा सेंटर के लिए निम्नलिखित सुविधा प्रबंधन (संचालन और रखरखाव) सेवाएं शामिल हैं:

- सिस्टम प्रशासन
- नेटवर्क प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- आईटी प्रबंधन समर्थन सेवाएं

बेंगलुरू मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल), कर्नाटक सरकार को ऑफसाईट डेटाबेस प्रशासन (डीबीए) सहायक सेवाएं

एसटीपीआई वीपीएन के माध्यम से बीएमआरसीएल को दूरस्थ डेटाबेस के लिए ऑफसाईट डेटाबेस प्रशासन (डीबीए) सहायक सेवा प्रदान कर रहा है और डीआर की स्थापना में डेटाबेस प्रतिकृति तथा ऑरेकल डेटाबेस को विंडोज प्लेटफॉर्म से लिनेक्स में बदलने के लिए बीएमआरसीएल को सेवा प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई उन्नत अपटाइम, प्रणाली उपलब्धता और बेहतर कार्य निष्पादन के साथ सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

परियोजना स्कोप :

- जब और जहाँ जरूरी हो, रिमोट एक्सेस की सहायता से बीएमआरसीएल के डेटाबेस की आवधिक देखभाल, जिसमें प्रदर्शन सुधार, बैकअप, पैच अपडेट, आदि शामिल हैं।
- डीआर की स्थापना, डेटाबेस प्रतिकृति और ऑरेकल डेटाबेस को विंडोज प्लेटफॉर्म से लिनेक्स में बदलने के लिए बीएमआरसीएल को सहायता प्रदान करना।

इंटीग्रेटेड सिटी ऑपरेशन प्लेटफार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लीकेशन प्रदान करने के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करने हेतु परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं

शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) शुरू किया है। कर्नाटक में कर्नाटक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट एंड फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड (केयुआईडीएफसी) स्मार्ट सिटी मिशन के लिए राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी (एसएलएनए) है। स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य ऐसे शहरों को बढ़ावा देना है, जो मौलिक संरचना प्रदान करे, अपने नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता युक्त जीवन स्तर प्रदान करे और सेवाओं एवं मौलिक ढांचे में सुधार के लिए स्मार्ट समाधान लाये ।

केयुआईडीएफसी ने पांच शहरो (हुबली–धारवाड़, मंगलुरु, तुमकुर, शिमोगा और दावणगेरे) में पांच स्मार्ट तत्वों चीजों की पहचान की है, जिनको कर्नाटक म्यूनिसिपल डाटा सोसाइटी (केएमडीएस) राजाजीनगर, बेंगलुरु में केंद्रीकृत रुप में शुरू किया जा सकता है। सभी पाँच शहरों के लिए कॉमन सेंट्रलाइज्ड आर्किटेक्चर आईसीटी संसाधनों के बेहतर उपयोग में सहायता करेगा।

परियोजना स्कोप

केयूआईडीएफसी शहरी विकास विभाग, कर्नाटक सरकार ने म्युनिसिपल प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के माध्यम से एसटीपीआई को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है, जो स्मार्ट सिटी अनुप्रयोज्यता सहित इंटीग्रेटेड सिटी ऑपरेशन्स प्लेटफॉर्म (आईसीओपी) शुरू करने के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करेगा ।

एसटीपीआई की सेवा के व्यापक दायरे में डेटा सेंटर का डिजाइन तैयार करना, आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर (आईटी और गैर आईटी) का आकार तैयार करना, डीपीआर तैयार करना, उपयुक्त सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए आरएफपी कागजात तैयार करना, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल हैं ।

एसटीपीआई ने बोली मूल्यांकन और मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के दौरान केएमडीएस की सहायता की है। वर्तमान में डेटा सेंटर कार्यान्वयन कार्य प्रगति पर है और एसटीपीआई परियोजना निगरानी सेवा प्रदान कर रहा है।

कोइरा खदान क्षेत्र में खान जाँच गेट्स हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई–भुवनेश्वर को खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार ने कोइरा खदान क्षेत्र, उडीसा में छह जांच गेटों और उप निदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम दिया है।

एसटीपीआई, परियोजना के परियोजना प्रबंधन और परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहा है और चयनित एजेंसियों के माध्यम से निम्नलिखित समाधान/सेवाएं प्रदान कर रहा है :

- डीडीएम कोईरा कार्यालय और 6 चेक गेट्स को जोड़ने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क बुनियादी ढांचे का निर्माण ।
- ऑनलाइन जांच और अपडेट के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी संरचना की स्थापना करना।
- वास्तविक समय निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण करना।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मियों के साथ पीएमयू प्रबंध।

यह परियोजना, जो 31 मार्च, 2015 को शुरू की गई थी, छह वर्षों तक चलेगी। एसटीपीआई उपरोक्त अवधि के दौरान परियोजना के परिचालन और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है

क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल में खान जांच गेटों हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई–भुवनेश्वर को खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार ने क्योंझर और जाजपुर रोड खान सर्किल, ओडिशा में बारह जांच गेटों और उप निदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम दिया है, जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- चेक गेट्स और क्योंझर के खान कार्यालय और 3 चेक गेट्स और जाजपुर रोड खान सर्किल के पारादीप में डीडीएम और एएमओ कार्यालय को कनेक्ट करने के एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क बुनियादी ढांचे का निर्माण ।
- ऑनलाइन जांच और अपडेट के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी संरचना की स्थापना करना।
- वास्तविक समय निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण करना।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मी दल की तैनाती ।
- वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इन्टरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना ।

यह परियोजना स्थापना और 18 महीने तक रख रखाव (6 महीने स्थापना के लिए और 1 वर्ष रख रखाव के लिए) के लिए 31 दिसम्बर, 2018 को आरंभ की गयी थी। एसटीपीआई उपरोक्त अवधि के दौरान परिचालन और रख रखाव के लिए जिम्मेदार है।

गोवा में गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) का तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए)

गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क(जीबीबीएन) पूरे गोवा राज्य में यथा आवश्यक वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ आप्टिक फाइबर केबल कनेक्टिविटी सहित ब्रॉडबैंड नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई पूरे गोवा में जीबीबीएन नेटवर्क की निगरानी के लिए तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए) के रूप में कार्य कर रहा है। टीपीए एजेंसी के कार्य क्षेत्र में जीबीबीएन के कार्य क्षेत्र की निगरानी, सेवा समझौते में यथा परिभाषित अपेक्षित सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की आवधिक लेखा परीक्षा शामिल है। लेखा परीक्षा का मुख्य प्रयोजन एसएलए में परिभाषित अपेक्षित सेवा शर्तों में परियोजना के लक्ष्य को हासिल करना और सेवा स्तर में सुधार के लिए सिफारिश करना है। एसटीपीआई का पाँच वर्षों के लिए टीपीए के रूप में चयन किया गया है। समझौते पर 1 अप्रैल, 2016 को हस्ताक्षर किया गया था। एसटीपीआई, त्रैमासिक गारंटीड राजस्व रिपोर्ट (क्यूजीआर), राज्य सरकार को नियमित रूप से देता आया है, जिसमें कार्यनिष्पादन लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, एसएलए गणना और आंतरिक और सुरक्षा लेखा–परीक्षा रिपोर्ट शामिल हैं।

सर्ट–इन (CERT-In), दिल्ली के लिए पीएमसी सेवाएं

सर्ट–इन (CERT-In) साइबर सुरक्षा उल्लघंन से संबंधित घटनाओं की रोकथाम और प्रतिक्रिया सेवाएं और साथ ही सुरक्षा गुणवत्ता प्रबंधन सेवाएं प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधि नियम 2008 के अनुसार, साइबर घटनाओं की जानकारी का प्रसार, विश्लेषण और संग्रह जैसे कार्यों को करने के लिए सर्ट–इन (CERT-In) को राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

एसटीपीआई को सर्ट–इन (CERT-In) द्वारा सातवें तल, डीएमआरसी आईटी पार्क, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली पर संचालन और अनुरक्षण सहित प्रथम तल पर डेटा सेन्टर, स्मार्ट लैब और निगरानी सुविधा की स्थापना के लिए अनुबंधित किया गया है। यह डेटा सेन्टर खुले असुरक्षित सार्वजनिक डोमेन और संवेदनशील सरकारी वातावरण के बीच मध्यस्थ और अभिसरण बिंदु के रूप में कार्य करेगा। डेटा केन्द्र में प्रमाणीकरण मैट्रिक्स के आधार पर अपने संबधित सिस्टम तक पहुंचाने के लिए सर्ट–इन (CERT-In) को प्रमाणित करने के लिए उच्च उपलब्धता, केन्द्रीकृत प्रमाणीकरण प्रणाली होगी।

परियोजना स्कोप

- फाल्स सीलिंग, उठी हुई फर्श, नमी रोकने और खिड़कियों और अन्य सभी आवश्यक घटकों को सुदृढ़ करने सहित डेटा सेंटर के निर्माण के लिए आवश्यक सिविल, इलेक्ट्रिकल और मेकेनिकल कार्यों के सन्दर्भ में प्रस्तावित डाटा सेंटर, स्मार्ट लैब्स, ड्रिल रूम, ट्रेनिंग सेंटर, एनओसी और मॉनिटरिंग रूम की डिजाईन और साईट की तैयारी ।
- आवश्यक बुनियादी ढाँचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- बायोमीट्रिक आधारित अभिगम–नियंत्रण प्रणाली, सीसीटीवी/निगरानी प्रणाली जैसे मल्टी–लेयर भौतिक सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की आपूर्ति, स्थापना और गठन।
- डेटा सेंटर में बुनियादी ढांचे को स्थापित करने में आपूर्ति किए गए सभी उपकरणों और उनके घटकों का एक–वर्षीय ऑनसाइट रखरखाव।
- योग्य इंजीनियरों/कर्मियों द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए 24×7×365 आधार पर डेटा सेंटर अवसंरचना संचालन के लिए ऑनसाइट सहायता।

यह परियोजना 1 अक्टूबर 2019 को आरंभ की गयी थी। 31 मार्च 2020 तक डीएमआरसी आईटीपार्क के प्रथम तल पर डेटा केंद्र, स्मार्ट लैब और मॉनिटरिंग सुविधा स्थापित करने की परियोजना पूरी हो चुकी थी और उसे सीईआरटी–ईन को सौंप दिया गया है। एसटीपीआई ओ एंड एम टीम ने परिचालन और रख रखाव समर्थन कार्य प्रारंभ कर दिया है।

भुवनेश्वर में फैब लैब की स्थापना

फैब लैब नवाचार और अन्वेषण के लिए एक तकनीकी प्रोटोटाइप मंच है, जो विशेष रूप से स्टार्ट–अप/ उद्यमियों/एसएमई/ स्टार्ट–अप समुदायों को स्थानीय उद्यमिता के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है। यह सीखने और नवाचार, गेमिंग, सृजन, मेंटर, आविष्कार करने के लिए एक मंच है। यह उद्यमियों को कम लागत पर प्रोटोटाइप बनाने के लिए उपकरण प्रदान करता है।

फैब लैब व्यवसाय और इनक्यूबेटर, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थानों, सामुदायिक कॉलेजों, संग्रहालयों और पुस्तकालयों, सामुदायिक केंद्रों और सरकारी कार्यालयों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों का हिस्सा हो सकता है।

एसटीपीआई ने समतुल्य अनुदान के माध्यम से परियोजना की सहायता के लिए ओडिशा सरकार के साथ हाथ मिलाया है। यह ओडिशा राज्य में उभरती हुई अवधारणाओ, नवोन्मेषी व्यावसायिक विचारो और स्टार्ट–अप इकाइयों को उद्यमशीलता उपक्रमों में विकसित होने के लिए रचनात्मक सहायता देते हुए एक सहायक मंच बनाने में संयुक्त पहल को सुदृढ़ करेगा।

एसटीपीआई गुजरात और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों के साथ उन क्षेत्रों में फैब लैब्स स्थापित करने के लिए बातचीत कर रहा है।

अनिवार्य पंजीकरण आदेश (सीआरओ) के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की निगरानी गतिविधि

देश की जरूरतों को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय बाजार की सेवा के लिए विश्व स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन और निर्माण उद्योग बनाने की दृष्टि से, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 19 नवंबर, 2012 को राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति (एनपीई) अधिसूचित की गयी थी। नीति पूरे देश में गुणवत्ता मूल्यांकन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और सेवाओं के मानकों और प्रमाणन को विकसित करने और अनिवार्य बनाने के लिए एक संस्थागत तंत्र के सृजन की आवश्यकता पर स्पष्ट रूप से बल देती है। नीति निम्नलिखित उद्देश्य के साथ प्रभावी होती है:

- भारतीय उपभोक्ताओ को विश्व स्तरीय उत्पाद का लाभ देना।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा लाने के लिए घरेलू उत्पादों की गुणवत्ता का उन्नयन।
- गैर–अनुपालन माल के डंपिंग को रोकने के लिए नीति विकसित करना।

नीति में दिए गए उद्देश्यों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने 3 अक्टूबर 2012 को अधिसूचित 'इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी माल (अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकता) आदेश, 2012' के तहत इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की पचास श्रेणियों को उपभोक्ता मामले विभाग की अनिवार्य पंजीकरण योजना के तहत भारतीय सुरक्षा मानक के अनुपालन को अनिवार्य बनाने का आदेश दिया।

अधिसूचित उत्पादों पर ध्यान देने के लिए उद्योग अनुकूल तरीके से पैन–इंडिया निगरानी प्रक्रिया के लिए, एमईआईटीवाई ने एसटीपीआई को निगरानी गतिविधि का कार्य सौंपा है।

दिनांक 06 मार्च 2018 के आदेश के अनुसार, एसटीपीआई अनिवार्य निगरानी से संबंधित निर्धारित कार्य करेगा। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) और इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) जैसी सांविधिक योजनाओं को क्रियान्वित करने में एसटीपीआई का अनुभव, साथ ही पूरे भारत में एसटीपीआई के कार्यबल और कार्यालयों का नेटवर्क और इन–हाउस क्षमता और प्रशिक्षण का अनुभव उसे अनिवार्य पंजीकरण योजना के अंतर्गत इन कार्यकलापों को प्रबंधित और निष्पादित करने में सक्षम बनाता है।

बीपीओ संवर्धन योजनाएं–आईटी नौकरियों का सृजन

संतुलित क्षेत्रीय विकास और छोटे शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) आरम्भ की गई थी। इन योजनाओं के उद्देश्य छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस परिचालन स्थापित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजत करना और संबंधित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निवेश आकर्षित करना हैं। एसटीपीआई दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। उपरोक्त योजनाएं पात्र कंपनियों को वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रति सीट 1 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

एनईबीपीएस का लक्ष्य पूर्वोत्तर राज्यों में 5000 सीटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत बीपीओ/आईटीईएस के संचालन के लिए 30 सफल बोलीदाताओं को 3,511 सीटें आवंटित की गई हैं। एनईबीपीएस के तहत 14 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में है जिन्होंने 712 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) और मेट्रो शहरों को छोड़कर आईबीपीएस योजना के अंतर्गत, पूरे देश में 48,300 सीटों के वितरण की योजना बनाई गई है। आईबीपीएस के तहत पूरे देश में बीपीओ/आईटीईएस ऑपरेशन की स्थापना के लिए 217 सफल बोलीदाताओं को 57,697 सीटों का आवंटन किया गया है आईबीपीएस के तहत 248 बीपीओ/आईटीईएस इकाइयां परिचालन में हैं जिन्होंने 35,505 व्यक्तियों को रोजगार दिया है।

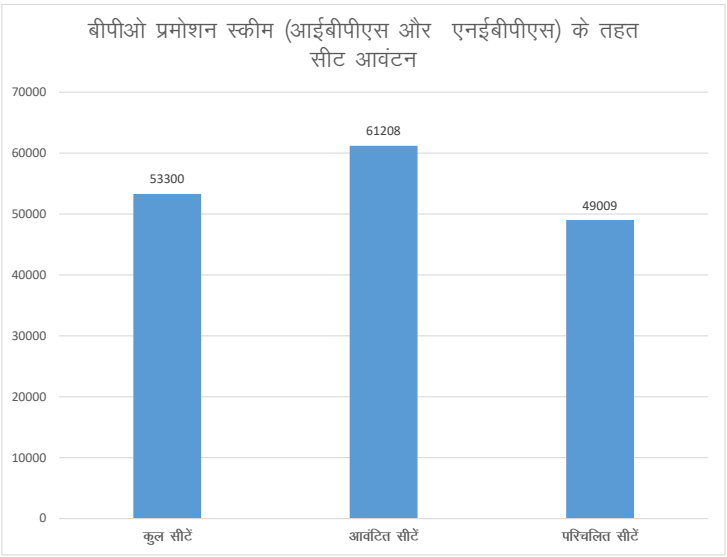

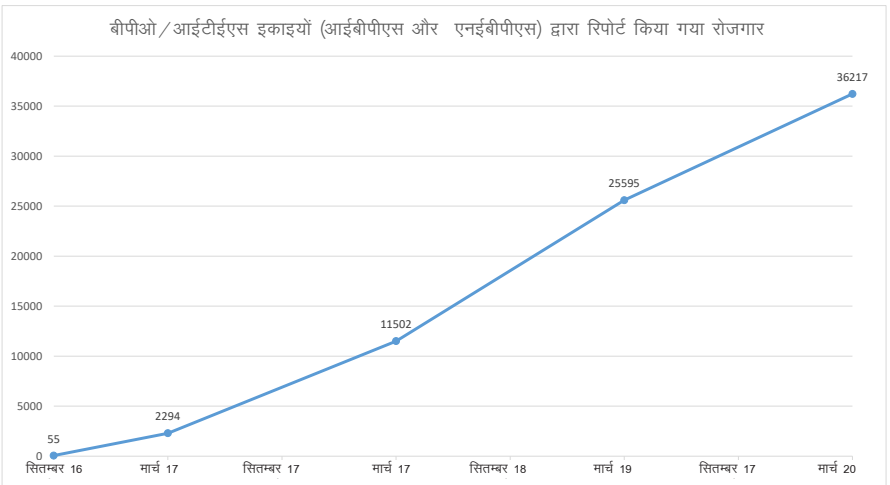

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)

माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने पूरे भारत में सहयोगात्मक तरीके से एसटीपीआई द्वारा डोमेन केन्द्रित "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" (सीओई) स्थापित करने के सम्बन्ध में 13 फरवरी 2018 को एक घोषणा की थी, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भारत आईओटी, ब्लाकचेन, फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी, गेमिंग और एनीमेशन, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ इन्फार्मेटिक्स, डेटा साइंस और एनालिटिक्स, साइबर सिक्यूरिटी, चिप डिजाइनिंग, ईएसडीएम, आदि उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व और उदीयमान उद्यमियो की एक नयी पौध का निर्माण करे।

एसटीपीआई ने इस अवधारणा को और आगे बढ़ाते हुए देश के विभिन्न भागों में उपयुक्त सहभागियों के साथ सहयोग कर अनेक डोमेन केंन्द्रित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। प्रत्येक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक एकल–खिड़की सुगमता केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिसका उद्देश्य भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, उद्योग, शैक्षणिक समुदायों, डोमेन और प्रौद्योगिकी, वेंचर कैपिटलिस्टों और अन्य स्टार्ट अप पारिस्थितिकी प्रणाली के हितधारियों के सहयोग से प्रयोगशाला और इन्क्यूबेशन, प्रशिक्षण, मेंटरिंग, हैण्ड–होल्डिंग, एक्सेस टू फण्ड, नेटवर्किंग, मार्किट आदि सहित व्यापक संरचनात्मक और मौलिक समर्थन प्रदान करना है। सीओई के इस सहयोगी मॉडल में प्रतिष्ठित उद्योग/शैक्षणिक समुदायों/उद्यमियों को 'मुख्य मेंटर' के रूप में शामिल कर उसका और विस्तार किया जाता है, जो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में भी काम करते हैं।

सीओई, जिसमे समर्पित परिचालन दल और समर्थक कर्मचारी होते हैं, द्वारा देश में ही विश्व स्तरीय आईटी उत्पाद और आईपीआर विकसित करने और "रोजगार निर्माता" बनने के लिए स्टार्ट अप का पोषण करने और उसे बढ़ावा देने के स्पष्ट उद्देश्य से उसकी आयोजना इस प्रकार की जाती है कि वह योजना, परिचालन, नेटवर्किंग, आउटरीच, मेंटरिंग और अन्य सेवाओं की देख भाल करे।

वर्ष 2019–20 में, छह सीओई अर्थात् मोशन, आईओटी ओपनलैब, इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क भुवनेश्वर, न्यूरॉन, फिनब्लू और इमेज को लॉन्च किया गया और पहले से ही लॉन्च किए गए दो सीओई अर्थात् इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क दिल्ली और वीएआरसीओई की सूची में जोड़ा गया । इसके अलावा, छह और सीओई कार्यान्वयन के विभिन्न चरण में हैं और जल्द ही शुरू किए जाएंगे।

तदनुसार, 31 मार्च 2020 तक निम्नलिखित 14 सीओई लॉन्च किए गए हैं और वे कार्यान्वयन और संचालन के विभिन्न चरणों में हैं:

- दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क
- आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई
- एसटीपीआई चेन्नई में फिनब्लू
- एसटीपीआई पुणे में मोशन
- एसटीपीआई बेंगलुरु में आईओटी ओपनलैब
- इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एसटीपीआई भुवनेश्वर में एक ईएसडीएम सीओई
- एसटीपीआई मोहाली में न्यूरॉन
- एसटीपीआई हैदराबाद में इमेज
- एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)
- एसटीपीआई गुरुग्राम में एपीआईएआरवाई
- एसटीपीआई गुवाहाटी में कृषि में ऑक्टेन आईओटी
- एसटीपीआई शिलांग में ऑक्टेन एनिमेशन
- इंफाल में ऑक्टेन एआर/वीआर
- एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक

प्रत्येक सीओई का संक्षिप्त विवरण और स्थिति नीचे दी गयी है:–

दिल्ली में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी)

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग के नए उद्यमियों को समर्थन देने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से एसटीपीआई ने दिल्ली विश्वविद्यालय कैंपस में एक इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी) स्थापित किया है।

यह पहल ईएसडीएम विस्तार में 50 स्टार्टअप को सपोर्ट करने और पांच साल की अवधि में कम से कम 5 वैश्विक कंपनियों के सृजन का लक्ष्य रखती है। यह पार्क स्थानीय आईपी निर्माण और स्वदेशी उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे घरेलू मूल्य संवर्धन होगा और शिक्षा, उद्योग, सरकार और अन्य सहायक तत्वों का एक अनूठा एकीकरण होगा। यह उद्योग जगत में एक अनूठी पहल है, जो देश में इन्क्यूबेशन केन्द्रो के संरक्षण और विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा । ईपी दिल्ली को 25 अक्टूबर, 2015 में परिचालित किया गया था और 27 अगस्त 2016 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था।

ईपी के पास इसके लाभार्थियों के रूप में 40 स्टार्टअप (32 इन्क्युबेटेड और 8 मेंटरड) हैं। इस अवधि के दौरान स्टार्टअप द्वारा महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय पेटेंट दाखिल कर अपने उत्पादों के स्तर में विकास किया है। कुल मिलाकर, ईपी के स्टार्टअप्स की उपलब्धियों के रूप में 21 नए उत्पाद के साथ 25 प्रोटोटाइप बनाए गए हैं। साथ ही, ईपी स्टार्टअप्स द्वारा 19 आईपीआर दाखिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 8 स्टार्टअप को 11 करोड़ रुपये की बाहरी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है और स्टार्टअप द्वारा कुल 43 करोड़ रुपये का राजस्व सजृत किया गया। इस प्रभावशाली आंकड़ो के अतिरिक्त ईपी स्टार्टअप्स ने 250 करोड़ रु. सृजत किया है।

आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई

इमर्सिव विजुअलाइजेशन में अनुसंधान एवं विकास करने, आर एंड डी, इनक्यूबेशन, आईपी क्रिएशन, उत्पाद विकास, कौशल विकास और एआर, वीआर एवं संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर में वीएआरसीओई की स्थापना की गई, जिसे 19 जनवरी, 2018 को चालू किया गया था। एलाइड मार्केट रिसर्च द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक एआर और वीआर बाजार, जो वर्ष 2017 में 11.32 बिलियन डॉलर था, उसका 2018 से 2025 तक 63.3% की सीएजीआर के साथ 2025 में 571.42 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

वीएआरसीओई उक्त डोमेन में स्टार्टअप के पोषण के साथ उपकरण ों और प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास को और मजबूत करेगा। इस सीओई ने स्वास्थ्य, कला और वास्तुकला, परिवहन, निर्माण, पर्यटन, मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्रों में 5 वर्षों के लिए स्टार्टअप और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं सहित 300 इनक्यूबेटियों को लक्षित किया है । वर्तमान में, विभिन्न डोमेन में एआर और

वीआर एप्लीकेशन की नौ प्रमुख परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिसमे आईआईटी भुवनेश्वर के 12–15 उच्च योग्य संकाय वाले शोधकर्ता शामिल हैं ।

एसटीपीआई चेन्नई में फिनब्लू

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास और आम आदमी के दैनिक जीवन पर उसके प्रभाव के साथ, वित्तीय डोमेन का प्रौद्योगिकी परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वित्तीय प्रौद्योगिकी या फिनटेक में अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा, नवाचार, रोजगार सृजन और उत्पादकता में एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है। फिनटेक न सिर्फ मुद्रा का डिजिटाइजेशन करता है बल्कि डेटा का भी डिजिटाइजेशन करता है। फिनटेक सोल्यूशंस में विशेष रूप से नए और छोटे सभी व्यवसायों के लाभ की अपार संभावनाएं हैं। फिनब्लू, फिनटेक क्षेत्र में अपनी तरह का पहला सीओई है जिसे 26 जुलाई, 2019 में परिचालित किया गया था, ऐसे सोल्यूशंस प्रदान करता है जो निचले स्तर पर कुशल और प्रभावी हैं और साथ ही यह छोटे व्यवसाइयों को लाभान्वित कराता है और उन्हें अधिक से अधिक अनेक प्रकार के फंडिंग विकल्प उपलब्ध कराता है। यह सीओई न सिर्फ निवेशकों, ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं के बीच तालमेल बढाता है बल्कि सभी के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान करता है जिससे बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़े। फिन टेक उन तरीकों को बदल रहा है जिसमें लोग उंगलियों की नोक पर लेन–देन करते हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार राज्य सरकार,आईआईटी मद्रास, टीआईई चेन्नै और विभिन्न औद्योगिक भागीदारों जैसे कि इंटेल्लेक्ट डिजाइन, एनपीसीआई, येस बैंक, पे पाल,पोंटाक वैंचर, आरबीएस,टोरस इनोवेशन आदि की भागीदारी से चेन्नै में फिनब्लू सीओई की स्थापना की गयी है जो फिन टेक के साथ काम करने मे अभिनव स्टार्टअप और उद्यमियों को पूरी सहायता और समर्थन प्रदान करेगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में 100 रेडी–टू–वर्क प्लग–एन–प्ले स्पेस, एक्सेस टू एपीआई, भागीदार बैंकों का पेमेंट गेट वे और सैंडबॉक्स एनवायरनमेंट और मेसर्स इंटेल्लेक्ट का एनपीसीएल, सीएएनवीएएस टेक्नोलॉजी, तकनीकी मेंटरींग और सहायता, वित्तीय संसाधन (एंजेल फंडिंग, सीड फंड,वीसी आदि) नेटवर्किंग और मार्केटिंग गतिविधियों तक पहुँच शामिल है।

फिनब्लू का उद्देश्य ट्रेडिंग, बैंकिंग, लेंडिंग, रेमिटेंस, इंश्युरेंस, रिस्क एंड कंप्लायंस, वेल्थ एडवाइजरी, फाइनेंसियल इन्क्लुज़न, सेविंग, पेमेंट और इसी प्रकार के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान के साथ 5 वर्षों की अवधि में 58 स्टार्टअप का समर्थन करना है।

फिनब्लू ने स्टार्टअप के पहले बैच में शामिल करने के लिए 21 स्टार्टअप का चयन किया है।

एसटीपीआई पुणे में मोशन

वैश्विक गतिशीलता परिदृश्य तेजी से बदल रहा हैं, प्रौद्योगिकी नवाचार, बढ़ती कनेक्टिविटी, तेजी से बढ़ रही विश्व जनसंख्या, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और पर्यावरण गिरावट के कारण सरकार, उद्योग और समाज को मोबिलिटी की निरंतरता के लिए बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है।

स्वचालित वाहनों का वाणिज्यकरण भी विभिन्न उद्योगों जैसे कि आईटी, प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिकी के राजस्व वृद्धि में भी योगदान करेगा । रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, वैश्विक स्वचालित वाहन बाजार का वर्ष 2017 में कारोबार 27.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और जिसके 2026 तक बढ़ कर 615.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

ऑटोनॉमस, कनेक्टेड, इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) में सीओई जिसे मोशन कहते हैं, महाराष्ट्र सरकार, मैसर्स टाटा मोटर्स, मेसर्स काइनेटिक, मैसस विस्टोन, मैसर्स मैथवर्क्स इंडिया, मैसर्स इंटेल, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे (सीओईपी) और एआरएआई, एसएई–इंडिया, टीआईए–पुणे आदि जैसे संगठनों के सहयोग और साझेदारी में स्थापित किया गया ।

यहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में एसटीपीआई पुणे में 7000 वर्ग फीट (लैब और इन्क्यूबेशन) का स्पेस है और इनका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में ऑटोनॉमस,कनेक्टेड,इलेक्ट्रिक एंड शेयर्ड (एसीईएस) मोबिलिटी में 50 डोमेन विशिष्ट स्टार्टअप को लाभ पहुँचाना है। मोशन को 10 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

बेंगलुरु में एसटीपीआई आईओटी ओपनलैब

"इन्टरनेट ऑफ थिंग्स" अथवा आईओटी एक संगणक अवधारण है जो इन्टरनेट से जोड़ी जानेवाली रोजमर्रा की भौतिक वस्तुओं को संपुटित करता है और अन्य डिवाइसों के साथ अपनी पहचान और संपर्क बनता है। यह अनुमान है कि 9 बिलियन डॉलर के बाजार में भारत शीघ्र ही 1.9 बिलियन डॉलर का आईओटी स्थापित करेगा। प्रौद्योगिकी उद्योग में आईओटी एक बहुत बड़ा कदम है। सिर्फ "भारत के सिलिकॉन वैली" बेंगलुरु में ही 500 स्टार्टअप हैं, जो आईओटी पर सॉल्यूशन विकसित कर रहे हैं।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में एमईआईटीवाई, मेसर्स ऐरो ईलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य के सहयोग से बेंगलुरु में एसटीपीआई आईओटी ओपनलैब स्थापित किया गया है । आईओटी ओपन लैब का उद्देश्य एक

प्रौद्योगिकी मंच सृजत करना है ताकि नवाचार स्टार्टअप आईओटी आधारित एप्लीकेशन, उत्पाद और सॉल्यूशन विकसित कर सकें, जो ना सिर्फ घरेलू जरूरतों को ही पूरा करेगा बल्कि इसका परिप्रेक्ष्य भी वैश्विक होगा। ओपन लैब में 4200 वर्ग फीट का रेडी टू वर्क स्पेस, सभी सैंपल बैंक सहित एक आईओटी ओपन लैब, टेस्ट उपकरण और तकनीकी सहायता, आतंरिक इंजीनियरिंग टीम द्वारा तकनीकी मेंटरिंग और समर्थन, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच, विपणन समर्थन आदि शामिल है। इसका लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में प्रति वर्ष 100 स्टार्टअप (फिजिकल और वर्चुअल) का समर्थन और पोषण है। आईओटी ओपनलैब को 3 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया।

आईओटी ओपनलैब ने पहले बैच में शामिल करने के लिए ओपन चैलेंज प्रोग्राम के माध्यम से 16 स्टार्टअप का चयन किया है।

इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क, एसटीपीआई भुवनेश्वर में एक ईएसडीएम सीओई

इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के सबसे अधिक आयातित मदों में से एक है। इस बात की आवश्यकता है कि भारत आयातित इलेक्ट्रॉनिकी पर अपनी निर्भरता को कम करे और घरेलू उत्पादन बढ़ाये। अपने मेक इन इंडिया पहल से सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के घरेलूकरण पर विशेष बल दिया है फलस्वरूप पूरे देश में अनेक मोबाइल निर्माण इकाइयां सफलतापूर्वक स्थापित हुईं हैं। हांलाकि यह पर्याप्त नहीं है और अभी काफी कुछ और करने की आवश्यकता है।

एसटीपीआई ने उपरोक्त परिकल्पना के अनुरूप अपनी तरह का पहला ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सेंटर "इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क" (ईपी) नई दिल्ली में स्थापित किया है, जोकि बेहद सफल रहा है जिससे अनेक स्टार्टअपस् को वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है और अनेक पेटेंट्स दर्ज किये गए हैं।

अतः एमईआईटीवाई के सहयोग से एसटीपीआई इस अत्यधिक सफल सहयोगी मॉडल को भारत के विभिन्न भाग में क्रियान्वित कर रहा है और अगला ईपी ओड़िसा राज्य सरकार, शैक्षिक समुदायों जैसे कि आईआईआईटी भुवनेश्वर, अग्रणी औद्योगिक भागीदार के रूप में आईईएसए के सहयोग से भुवनेश्वर, ओडिसा मे ईएसडीएम इन्क्यूबेशन सीओई के रूप मे स्थापित कर रहा है। भुवनेश्वर में ईपी ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी प्रणाली के निर्माण के माध्यम से भारत के ईएसडीएम विकास में योगदान करेगा। यह पारिस्थितिकी प्रणाली ईएसडीएम क्षेत्र मे महत्वपूर्ण विकास, प्रोत्साहन, इन्क्यूबेशन, नवाचार सृजत करने के लिए आवश्यक है। यह ईएसडीएम क्षेत्र मे उत्पाद निर्माण और आईपी सृजन पर बल देगा।

इस पार्क के लगभग 7500 वर्गफीट निर्मित क्षेत्र मे अत्याधुनिक सुविधाओं सहित उच्च गति की कनेक्टिविटी, पावर इलेक्ट्रॉनिक के प्रोटोटाइपिंग और जांच के लिए पूर्णतया सज्जित ईएसडीएम लैब, एलईडी, कम्युनिकेशन आरएफ वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेस्ट और मेजरमेंट आदि से पूरी तरह से सुस्सजित कार्यालय उपलब्ध है।

इसका लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि मे 40 स्टार्टअप को लाभ प्रदान करना है, जिसमे उर्जा, प्रोसेस कंट्रोल और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और शिक्षा जैसे क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा। ईपी भुवनेश्वर को 23 दिसम्बर, 2019 को परिचालित किया गया था।

एसटीपीआई मोहाली में न्यूरॉन

मोहाली में न्यूरॉन सीओई का विजन विशेष रूप से एआई/बिग डेटा, एवीजी और आईओटी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को बढ़ावा देकर युवाओं, शोधकर्ताओं, इंजीनियर और बड़े पैमाने पर समाज में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ाना है, जो देश में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। इस दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पंजाब सरकार, आईएसबी मोहाली, पीटीयू और उद्योग के सहयोग से एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू किया गया है जो एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के क्षेत्र में अभिनव स्टार्टअप को हैंडहोल्डिंग और समर्थन समर्थन देगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में समर्पित 500 सीटों के को–वर्किंग स्पेस के साथ इन्क्यूबेशन सुविधा और एआई/डेटा एनालिटिक्स, आईओटी और एवीजी के लिए समर्पित लैब शामिल है। भौतिक और क्षेत्र–विशिष्ट बुनियादी ढांचे के अतिरिक्त, हब के पास डोमेन विशेषज्ञों, टेक्नोक्रेट, मेंटरशिप प्रोग्राम के साथ–साथ वित्त पोषण तक पहुंच भी उपलब्ध होगा। इसमें 5 वर्षों की अवधि में शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल आदि में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई, एमएल, डीए, आईओटी और वर्चुअल रियलिटी जैसे फोकस क्षेत्र के 250 से अधिक स्टार्टअप को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है। न्यूरॉन 30 सितंबर, 2019 को परिचालित किया गया था।

स्टार्टअप के पहले बैच में शामिल करने के लिए 18 स्टार्टअप का चयन किया गया है।

एसटीपीआई हैदराबाद में इमेज

ग्लोबल एनिमेशन उद्योग का 2018 में 259 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्यांकन किया गया था और इसके 2020 तक 270 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, गेमिंग उद्योग का वर्ष

2018 में 138 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया था, जिसका 2021 तक 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है । इसके अलावा, कंप्यूटर विजन (सीवी) बाजार का 2018 और 2023 के बीच काफी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है और इसका 2018 में 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्य से 2023 तक 17.38 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद।

इस पृष्ठभूमि और एक आशावादी भविष्य की कल्पना के साथ, गेमिंग वीएफएक्स, सीवी और एआई के क्षेत्र में इमेज ब्रांड से एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एमईआईटीवाई, तेलंगाना सरकार,शिक्षा और हाइसी (हैदराबाद एसडब्ल्यू एंटरप्राइजेज) और टीवीएजीए (तेलंगाना वीएफएक्स, एनिमेशन और गेमिंग एसोसिएशन) जैसे उद्योगों की साझेदारी में हैदराबाद में स्थापित किया गया। इस सीओई में मेंटरिंग, प्रौद्योगिकी सहायता और गेमिंग, एनिमेशन, वीएफएक्स, कंप्यूटर विजन और एआई स्टार्टअप के लिए वित्त पोषण का प्रावधान है। स्टार्टअप्स में विकास के लिए इमेज अपनी इन्क्यूबेशन सुविधा के माध्यम से एकीकृत कार्यक्रम, सीवीए और गेम लैब प्रदान करता है। इमेज कार्यक्रम में प्रीमियम प्लग–एंड–प्ले, स्टार्टअप के लिए को–वर्किंग स्पेस शामिल है और पारिस्थितिकी तंत्र तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें आईपी ओनर, मेंटर, निवेशक और गो–टू–मार्केट रणनीति का समर्थन करने के लिए एक मंच शामिल।

इमेज का लक्ष्य 5 वर्षों की अवधि में सीवी और एआई, गेमिंग, एनीमेशन और वीएफएक्स के क्षेत्र में 150 स्टार्टअप हैं। इमेज को 17 फरवरी, 2020 को परिचालित किया गया है।

एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी)

एक जीवंत अखिल भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के उद्देश्य से और स्टार्टअप्स के विकास और सफल उद्यमिता के निर्माण का समर्थन करने, बढ़ावा देने और नवोन्मेश की संस्कृति का विकास करने के साझा दृष्टिकोण के लिए, अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और नीति आयोग के सहयोग से एसटीपीआई बेंगलुरु में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (''एआईसी एसटीपीआई बेंगलुरु'') स्थापित कर रहा है ।

तदनुसार, एआईसी एसटीपीआईनेक्स्ट इनिशिएटिव्स, खंड 8 कंपनी को एसटीपीआई द्वारा एक नोडल एजेंसी और एसटीपीआई में विभिन्न स्टार्टअप और उद्यमिता गतिविधि के लिए कॉमन इम्प्लीमेंटेशन व्हीकल के रूप में कार्य करने के लिए निगमित किया गया है।

एआईसी के फोकस के केंद्र आईओटी और स्वास्थ्य एवं औषध, ई–कॉमर्स, बिग डेटा, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस आदि में इसका अनुप्रयोग है।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और प्रयोगशाला से सुसज्जित 10,000 वर्ग फुट का स्थान, सामान्य कार्यालय सुविधाओं के साथ हैकाथॉन आयोजित करने के लिए एक समर्पित टीम, आईडिया चैलेंज, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी और बिजनस मेंटरिंग सेशन शामिल हैं जो आईपीआर फाइलिंग, कानूनी, लेखा आदि के मामले में स्टार्टअप्स की सहायता करेगा।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 65 नवाचार स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

एसटीपीआई गुरुग्राम में एपीआईएआरवाई

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सरकारी और निजी क्षेत्र के इंटरफेस के बीच पारदर्शिता लाकर उद्यमों के लिए सहयोग और हमारे नागरिकों के जीवन को सुगम बनाती है। इस तथ्य के बावजूद कि यह प्रौद्योगिकी अभी भी अपने विकास के आरंभिक चरण में है और इसे अभी अपनाया जाना है, इस डोमेन में काफी अवसर उपलब्ध हैं।

गार्टनर के हाल के पूर्वानुमान के अनुसार ब्लॉकचेन के व्यावसायिक मूल्य में 2025 तक थोड़ी वृद्धि के साथ यह 176 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगा और फिर 2030 तक इसमें काफी वृद्धि होगी और यह 3.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

एपीआईएआरवाई, ब्लॉकचेन में एक सीओई एमईआईटीवाई, एसटीपीआई, एसटीपीआईनेक्स्ट हरियाणा सरकार, पैडअप वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, आईबीएम, इंटेल, जीबीए और एफआईटीटी के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है।

यह ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सफल स्टार्टअप की पहचान और मूल्यांकन करने की एक पहल है जो एसटीपीआई गुरुग्राम के इनक्यूबेशन केंद्र में आयोजित किया जाएगा। यहाँ उपलब्ध सुविधा और सेवा में 7000 वर्ग फीट का इनक्यूबेशन स्पेस, आईबीएम ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म, मेंटरिंग, अनुसन्धान और विकास, वित्तपोषण और नेटवर्किंग शामिल है।

इस सीओई का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 100 नवाचार स्टार्टअप को बढ़ावा देना है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र ऑक्टेन में ऑक्टेन सीओई (एसटीपीआई गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई शिलांग में ऑक्टेन एनिमेशन, इंफाल में ऑक्टेन एआर/वीआर)

भारत सरकार ने 'डिजिटल नार्थ ईस्ट विजन 2022' प्रारंभ किया

है, जिसमे 'डिजिटल इनोवेशन एंड स्टार्टअप' प्रमुख क्षेत्र हैं। उपरोक्त क्षेत्र में किये गए पहल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में उभरती प्रौद्योगिकी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और ई–कॉमर्स सुविधा सहित स्टार्टअप इनोवेशन जोन स्थापित करना है। इनोवेशन जोन को छात्रों और युवाओं द्वारा टिंकरिंग आधारित नवाचार के लिए सुविधा के रूप में पेश किया गया है, जिनमे से कुछ के स्टार्टअप बनने की उम्मीद है। यह राज्यों में डिजिटल इनोवेशन संस्कृति को जन्म देगा। ई–कॉमर्स सुविधा उभरते युवा उद्यमियों को और वैसे लोगों को, जो अपनी उत्पादों की मौजूदा व्यवस्था के लिए ई–कॉमर्स विकसित करने का इरादा रखते हैं, को न्यूनतम निवेश पर परामर्श आदि जैसे समर्थन की सुविधा प्रदान करता है ।

इस विजन के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रत्येक राज्य की राजधानी में चरणबद्ध तरीके से ई–कॉमर्स सुविधा के साथ स्टार्टअप इनोवेशन जोन (एसआईजेड) सहित आठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की कल्पना की गई है ।

तदनुसार, चरण–1 के तहत, 3 सीओई को मंजूरी दी गई है और उन्हें ऑक्टेन के रूप में प्रौद्योगिकी/क्षेत्र फोकस वाले तीन स्थानों में अर्थात एसटीपीआई गुवाहाटी में कृषि में आईओटी, एसटीपीआई शिलांग में एनिमेशन और इंफाल में एआर/वीआर स्थापित किया जा रहा है। तथापि, अन्य पांच स्थानों के लिए ई–कॉमर्स सुविधा मेंटरिंग के माध्यम से किया जाएगा। यदि इस गतिविधि के लिए वास्तविक ढांचे की आवश्यकता होगी तो परियोजना के चरण–1 के तहत सृजत सुविधा का उपयोग इसके लिए किया जाएगा।

यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं में वास्तविक घटक (प्लग–एन–प्ले स्पेस, कनेक्टिविटी, टिंकरिंग प्रयोगशाला के रूप में इनोवेशन जोन,आदि) और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और अन्य हितधारकों से अन्य सहायता (जैसे विपणन, सीड फण्ड सहायता, आदि) शामिल हैं। सीओई और एसआईजेड एक दूसरे के साथ सहयोगात्मक तरीके से अथवा क्षेत्रीय आधार पर, जैसी आवश्यकता हो, काम करेंगे।

एसजीपीजीआई लखनऊ में मेडटेक

क्लिनिकल डिसिजन के मॉडल के अनुप्रयोग और पुराने हो जाने और साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसे सरकारी कार्यक्रमों के कारण जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए देश में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मांग बढ़ी है। ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी बाजार 73.3 अरब अमेरिकी डॉलर का था और इसके 2020 तक 169 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है, जिसका सीएजीआर 2019 से 2025 तक 13% रहेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और भारत सरकार द्वारा सयुंक्त रूप से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 16% सीएजीआर के साथ भारतीय चिकित्सीय उपकरणों का बाजार 2020 में बढ़ कर 8.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा।

एसटीपीआई मेडटेक ब्रांड के रूप में मेडी–इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के डोमेन में एसजीपीजीआई, लखनऊ, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, यूपी सरकार, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन (एएमटीजेड) के साथ एआईएमईडी के सहयोग से लखनऊ में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर रहा है जो ''मेक इन इंडिया'' में योगदान करेगा।

मेडटेक का लक्ष्य 5 वर्ष की अवधि में 50 स्टार्टअप का समर्थन करना है।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुकूल परिवेश बनाकर छोटे और मध्यम उद्यमियों (एसएमई) को प्रोत्साहन

एसटीपीआई, इन्क्यूबेशन सेवाएं, कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन/सह आयोजन, कार्यक्रमों में भागीदारी, मानव संसाधन विकास और निर्यात संवर्धन प्रयासों द्वारा एसएमई और उनके उद्देश्यों को नीचे दिए अनुसार बढ़ावा दे रहा है:

इन्क्यूबेशन सेवा

एसटीपीआई अपने विभिन्न केन्द्रों पर स्टार्ट अप इकाइयों को इन्क्यूबेशन सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इससे स्टार्टअप इकाइयों और उद्यमियों को बहुत मदद मिलती है।

कार्यक्रमों का आयोजन

- हैदराबाद में 29 मई, 2019 को आरबीआई और एसटीपीआई ने" इंटरनेशनल ट्रेड इन सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज" पर सयुंक्त रूप से सेमिनार आयोजित किया।
- एसटीपीआई और आईटी एवं ई–गोवा, झारखण्ड सरकार ने 22–23 जून, 2019 को स्टार्टअप हैकेथन आयोजित किया।
- एसटीपीआई रांची ने झारखंड सरकार के साथ 22 अगस्त, 2019 को झारखंड बीपीओ/बीपीएम समिट 2019 का आयोजन किया ।
- एसटीपीआई भुवनेश्वर ने संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी) के साथ 7 नवंबर, 2019 को आईटी अपॉरच्यूनिटीज इन इमर्जिंग ग्लोबल मार्किट पर एक सेमिनार का आयोजन किया ।
- एसटीपीआई ने आईटी, बीटी और एसटी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित बेंगलुरु टेक समिट 2019 की सह–मेजबानी की है । यह सेमिनार 18 से 20 नवंबर, 2019 तक बेंगलुरु में आयोजित किया गया था । एसटीपीआई ने कर्नाटक क्षेत्र की आईटी कम्पनियों को आईटी निर्यात पुरस्कारों से सम्मानित कर आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर उद्योग में उनके प्रयासों को सराहा । साथ ही, एसटीपीआई ने कर्नाटक क्षेत्र के 30 एमएसएमई कंपनियों के लिए निःशुल्क प्रदर्शनी स्थल को उपलब्ध कराया ।
- 5 दिसम्बर, 2019 को आयोजित "इन्फोकॉम कोलकाता 2019" में पश्चिम बंगाल की आईटी कंपनियों के लिए एसटीपीआई निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।
- मोहाली में 23 दिसम्बर 2019 को आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप अवार्ड 2020 के लिए इन्टरएक्शन कार्यक्रम
- एसटीपीआई और ओडिशा सरकार के सहयोग से आईआईटी भुवनेश्वर ने 10 से 12 जनवरी 2020 तक वर्चुअल एंड ऑगमेंटेड रियलिटी पर एक कॉन्क्लेव और हैकथॉन का आयोजन किया ।
- 14 फरवरी, 2020 को आयोजित "इन्फोकॉम ओडिसा 2020" में ओडिसा की आईटी कंपनियों के लिए एसटीपीआई निर्यात पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों में भागीदारी/प्रयोजन/सह प्रयोजन

- मुंबई में 7–10 अप्रैल, 2019 में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन परफॉरमेंस इंजीनियरिंग
- हैदराबाद में 18 अप्रैल, 2019 को आयोजित "फ्यूचर फ्रंटियर्स ऑफ कॉर्पोरेट रियल एस्टेट" पर हाईसी एनुअल इंफ्रास्ट्रक्चर समिट
- गोवा में 11 मई, 2019 को आयोजित गोवा स्टार्टअप और आईटी प्रमोशन
- जयपुर में 12 जून, 2019 को आयोजित राजस्थान आईओटी समिट 2019
- कोलकाता में 20 जून, 2019 को आयोजित 10वां बिजनेस आईटी कॉन्क्लेव (बीआईटीसी)
- जयपुर में 21 जून, 2019 को आयोजित राजस्थान डिजीटेक समिट
- हैदराबाद में 15 जुलाई, 2019 को आयोजित हाईज़ा एनुअल इनोवेशन समिट, 2019
- हैदराबाद में 19 जुलाई, 2019 को आयोजित सीआईआई – ब्लॉक चेन समिट
- हैदराबाद में 1 अगस्त, 2019 को आयोजित 27 वां एनुअल हाईज़ा इनोवेशन एंड समिट अवार्ड फंक्शन 2019

- देहरादून में 17 अगस्त, को आयोजित इंडिया @75: स्किल इंडिया, इनोवेट इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया
- बेंगलुरु में 21–22 अगस्त, 2019 को आयोजित सीआईआई – इंडिया इनोवेशन समिट 2019
- बेंगलुरु में 22 अगस्त, 2019 को आयोजित आईसीसी स्टार्टअप पैड 2019
- बेंगलुरु में 29–31 अगस्त, 2019 को आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फटीग, ड्यूराबिलिटी एंड फ्रैक्चर मैकेनिक्स एंड सिम्पोजियम ऑन कंडीशन असेसमेंट/रेसिडुअल लाइफ असेसमेंट
- कोलकाता में 10–11 सितंबर, 2019 को आयोजित 18वां आईसीटी ईस्ट 2019
- कोलकाता में 19 सितंबर, 2019 को आयोजित चौथा टेक्नोलॉजी मीट एंड एक्सीलेंस अवार्ड्स
- कोलकाता में 20 सितंबर, 2019 को आयोजित 7 वां अंतर्राष्ट्रीय डेटा साइंस समिट
- हैदराबाद में 22 सितंबर, 2019 को आयोजित टेडएक्स हैदराबाद 2019 टॉक का 5वां संस्करण
- गोवा में 17–19 अक्टूबर, 2019 को आयोजित वाइब्रेंट गोवा ग्लोबल एक्सपो एंड समिट 2019
- मोहाली में 5 नवम्बर, 2019 को आयोजित पंजाब इनोवेशन समिट 2019
- चेन्नई में 7–8 नवम्बर, 2019 को आयोजित कनेक्ट–2019 चेन्नई
- शिमला में 7–8 नवम्बर, 2019 को आयोजित राइजिंग हिमाचल ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2019
- हैदराबाद में 19–24 नवम्बर, 2019 को आयोजित इंडियाजॉय 2019
- बेंगलुरु 26–28 नवम्बर, 2019 को आयोजित ग्लोबल एग्जिबिशन ऑन सर्विस (जीईएस 2019)
- बेंगलुरु में 2–3 दिसम्बर, 2019 को आयोजित आईओटीनेक्स्ट 2019
- मोहाली में 5–6 दिसम्बर, 2019 को आयोजित प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट 2019
- कोलकाता में 5–7 दिसम्बर, 2019 को आयोजित इन्फोकॉम कोलकाता 2019
- पुणे में 14 दिसम्बर, 2019 को आयोजित पुणे कनेक्ट 2019
- बेंगलुरु में 18 दिसम्बर को आयोजित 2019 सीआईआई एनुअल आईटी/आईटीईएस कांफ्रेंस 2019
- विशाखापत्तनम में 23 दिसम्बर, 2019 को आयोजित सीआईआई – डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन 2019
- बेंगलुरु में 3–7 जनवरी, 2020 को आयोजित 107वीं इंडियन साइंस कांग्रेस (आईएससी) 'प्राइड ऑफ इंडिया एक्सपो '2020
- कोलकाता में 16 जनवरी, 2020 को आयोजित टाईकॉन कोलकाता 2020
- मुंबई में 28–29 जनवरी, 2020 को आयोजित टाइकॉन मुंबई 2020
- हुब्ली में 1–2 फरवरी, 2020 को आयोजित टाईकॉन हुबली 2020
- पुणे में 7–10 फरवरी, 2020 को आयोजित कोतुहल 2020
- पुणे में 15–16 फरवरी, 2020 को आयोजित पुणे स्टार्टअप फेस्ट 20
- पुणे में 29 फरवरी, 2020 को आयोजित डब्लूआईडीएस पुणे 2020
- मोहाली में 29 फरवरी, 2020 को आयोजित टाईकॉन चंडीगढ़ 2020
- बेंगलुरु में 3–4 मार्च, 2020 को आयोजित 20वां इंडियासॉफ्ट 2020 और दूसरा ग्लोबलसॉफ्ट 2020
- पुणे में 6–9 मार्च, 2020 को आयोजित डीआईपीईएक्स–2020
- पुणे में 12–14 मार्च, 2020 को आयोजित ईएससीआई 2020

एसटीपीआई श्रीनगर में अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सेंटर का शिलान्यास

"एमईआईटीवाई स्टार्टअप हब (एमएसएच) शिखर सम्मेलन" नई दिल्ली में आईआईएम कोलकाता इनोवेशन पार्क (आईआईएमसीआईपी) के साथ समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान

बेंगलुरू में बेंगलुरू टेक समिट 2019 के दौरान एसटीपीआई आईटी निर्यात पुरस्कार समारोह

भुवनेश्वर में एसटीपीआई आईटी निर्यात पुरस्कार समारोह

एमटीएनएल–एसटीपीआई संयुक्त उद्यम

एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विस लिमिटेड, जोकि एमटीएनएल तथा एसटीपीआई की एक संयुक्त उद्यम कम्पनी है, ने चेन्नई में 3500 वर्ग फुट के टियर III डेटा केन्द्र तथा उसके सहायक कार्यालय (5000 वर्ग फुट से अधिक) वाले एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय डेटा केन्द्र की स्थापना की है।

इसका मुख्य लक्ष्य है कि कम्पनी अपने आधारभूत ढाँचे को तथा अन्य कम्पनियों को भी होस्टिंग सेवा प्रदान करने लायक बना सके। चेन्नई डाटा केन्द्र का 1200 वर्ग फीट स्थान विदेश मंत्रालय के अंतर्गत "पासपोर्ट सेवा परियोजना" के लिए मुहैया कराया गया है।

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई की वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान कुल राजस्व आय ₹ 219.44 करोड़ थी। ₹ 2.24 करोड़ के अधिशेष के साथ राजस्व व्यय ₹ 217.20 करोड़ (अवमूल्यन के साथ) है। पूर्व अवधि के मदों के समायोजन के बाद तुलन–पत्र में ₹ 3.38 करोड़ के अधिशेष को लिया गया है। निम्नलिखित ग्राफ राजस्व और व्यय के रूझानों को दर्शाता है :–

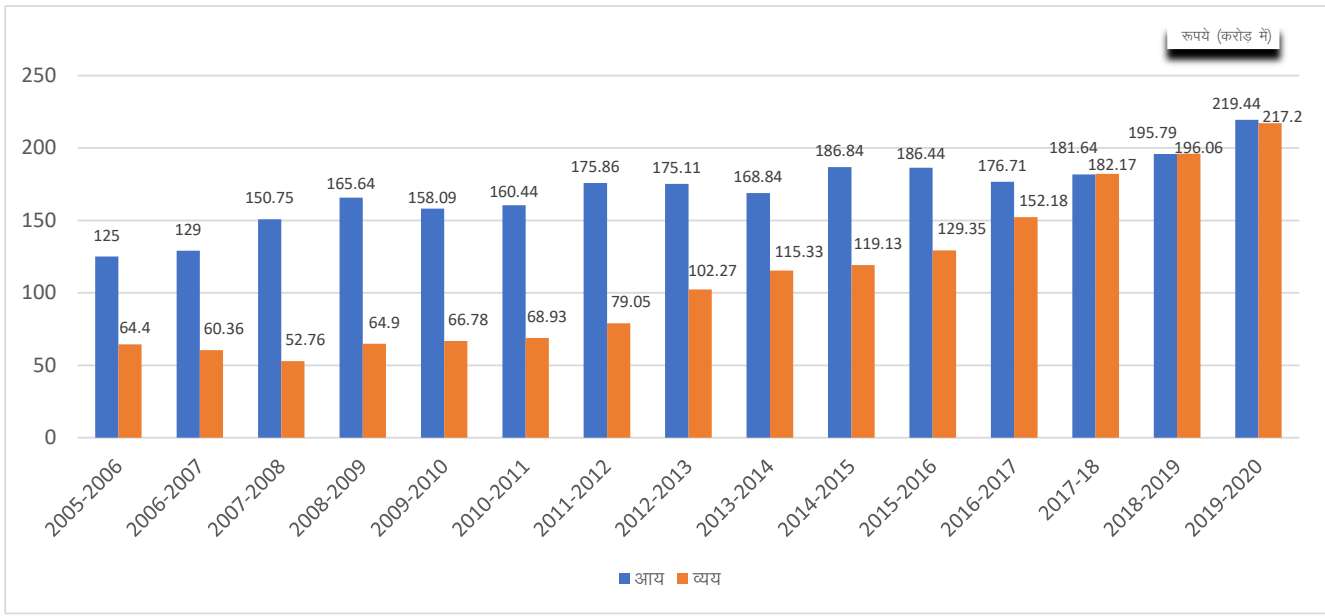

टिप्पणी: पिछले वर्षों के व्यय (2010–11 से पहले) में मूल्यह्रास व्यय शामिल नहीं है

लेखा विवरण

वत्तीय वर्ष 2019–20 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण अनुबंध–1 में दिया गया है ।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, देशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकरों, एसटीपीआई इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहयोग के लिये उनका कृतज्ञतापूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद, एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए, इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिये उनका भी आभार मानती है।

(अश्विनी वैष्णव)
अध्यक्ष, शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
और
रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री,
भारत सरकार

अनुबंध–1

वार्षिक लेखा 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए

स्वतंत लेखा परीक्षक रिपोर्ट

शासी परिषद
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
नई दिल्ली

दृष्टिकोण

हमने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरण पत्र की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और इस वर्ष की समाप्ति पर आय और व्यय एवं नकदी प्रवाह विवरण–पत्र तथा महत्वपूर्ण लेखांकन प्रतियों का संक्षेप और अन्य विवरणात्मक सूचना और वित्तीय विवरण जिसमे भुवनेश्वर, बेंगलुरु, चेन्नै, गांधीनगर, गुवाहाटी, हैदराबाद, महाराष्ट्र और तिरुवनंतपुरम के निदेशालय के लेखा परीक्षकों द्वारा उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण पर टिप्पण शामिल हैं।

हमारे दृष्टिकोण में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमे दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार सिवाए हमारे रिपोर्ट के सुविचारित दृष्टिकोण के आधार के भाग में वर्णित मामलों के प्रभाव को छोड़ कर संलग्न वित्तीय विवरण 31 मार्च 2020 की तारीख की स्थिति के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति और भारत के सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप वर्ष की समाप्ति पर इसके वित्तीय निष्पादन और नकदी प्रवाह का एक सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है।

दृष्टिकोण के आधार

(क) सोसाइटी ने वित्त वर्ष 2018–19 से लेखा मानक (एएस)–12 "सरकारी अनुदानों का लेखांकन" को लागू किया है। सोसाइटी ने वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान पिछली रिपोर्टिंग अवधि अर्थात 31 मार्च, 2015 से 31 मार्च, 2018 के दौरान हुए अननुपालन में चालू वर्ष के दौरान सुधार कर लिया है।

सोसाइटी ने चालू वित्त वर्ष के दौरान पिछली रिपोर्टिंग अवधि अर्थात 31 मार्च 2005 से 31 मार्च 2014 के दौरान हुए अननुपालन में चालू वर्ष के दौरान सुधार कर लिया है। सोसाइटी ने इस सुधार के कारण उन रिपोर्टिंग अवधियों के दौरान हुए ₹ 2450.79 लाख के अतिरिक्त मूल्यह्रास प्रभार का प्रतिलेखन किया है। कृपया वित्तीय विवरण संख्या 13 का संदर्भ ग्रहण करें। हालांकि,वित्त वर्ष 31 मार्च, 2004 से पहले लेखा मानक–12 के अनुपालन का प्रभाव जारी है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है। उन मानकों के अनुसार हमारे उत्तरदायित्व हमारे रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्व" भाग में आगे वर्णित हैं। हम भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार सोसाइटी से स्वतंत्र हैं और इन अपेक्षाओं तथा आचार संहिता के अनुसार हमने अपने अन्य नैतिक दायित्वों का निर्वहन किया है। हमे विश्वास है कि हमे प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य वित्तीय विवरण–पत्र पर हमारी लेखा परीक्षा संबंधी राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

ध्यान देने योग्य बातें

अपने दृष्टिकोण में किसी प्रकार का परिवर्तन किये बगैर, हम वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:–

(क) बेतार आयोजना समन्वय की डब्ल्यू/टी/लाइसेन्स शुल्क का लेखाओं में न दर्ज करने/मिलान करने के बारे में वित्तीय विवरण की अनुसूची 22 क की टिप्पणी 7 पर 31 दिसम्बर, 2004 तक दूरसंचार विभाग द्वारा माँगी गई ₹ 630.20 लाख की राशि में से

₹ 560.97 लाख की राशि की अदायगी कर दी गई है तथा इसे खाते में दर्ज कर दिया है। 01.01.2005 से 31.03.2019 तक की बाद की अवधि के लिए व्यव का प्रावधान नहीं किया गया है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबन्धन और प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय विवरण को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन वर्ग की है, जो भारत के सनदी लेखाकार संस्थान और सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 द्वारा जारी लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसार सोसाइटी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन एवं नकदी प्रवाह का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है। इस जिम्मेदारी में सोसाइटी की परिसंपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य विनियमितताओं की पहचान करने और उसे रोकने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रखना, समुचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान व्यक्त करना और ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और उसका अनुरक्षण करना है जो लेखांकन रिकॉर्ड की यथार्थता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावकारी रूप से कार्य कर रहा है, जो वित्तीय विवरण तैयार करने और उसके प्रस्तुतिकरण से संबन्धित हैं और यह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न सभी प्रकार के मिथ्या कथन से मुक्त एकदम उचित तथा निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करता है।

वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रबंधन की यह जिम्मेदारी होती है कि वह संस्था के एक उन्नतिशील प्रतिष्ठान बने रहने की क्षमता का मुल्यांकन करें जिसमें उन्नतिशील प्रतिष्ठान से सम्बंधित यथा अनुप्रयोज्य मामलों का दर्शाना, प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रयोग करना, जब तक कि प्रबंधन संस्थान का परिसमापन करने अथवा इसका परिचालन समाप्त करने का इरादा न रखता हो या उसके पास ऐसा करने के अलावा और कोई वास्तविक विकल्प न हो, शामिल हैं।

प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों पर संस्थान के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया के पर्यवेक्षण का दायित्व है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के प्रति लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या धोखाधड़ी अथवा त्रुटि, किसी भी वजह से वित्तीय विवरण समग्र रूप से मिथ्या कथन से मुक्त हैं और साथ ही सुविचारित राय से युक्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन उच्च स्तरीय आश्वासन होता है किन्तु यह इस बात की सुनिश्चितता नहीं है कि लेखांकन मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा मिथ्या कथन, यदि विद्यमान भी हो, की सदैव पहचान कर लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न होती है और यदि अकेले या सामूहिक रूप से वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ता द्वारा लिए गए निर्णय पर प्रभाव डालते हैं तो उन्हें महत्वपूर्ण समझा जाता है।

लेखांकन मानक के अनुसार लेखा परीक्षा के एक भाग के रूप में हम पूरी लेखा परीक्षा में पेशेवर निर्णय लेते हैं और पेशेवर नजरिया बनाये रखते हैं। हम निम्नलिखित कार्य भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के जोखिमों की पहचान और उसका मूल्यांकन करते हैं चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण,उन जोखिमों से निपटने के लिए लेखा प्रक्रिया तैयार करते हैं और लेखा परीक्षा करते हैं और लेखा परीक्षा सम्बन्धी साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे सुविचारित राय के लिए पर्याप्त और समुचित हो। धोखाधड़ी के कारण उत्पन्न मिथ्या कथन की पहचान न कर पाने के खतरे का प्रभाव त्रुटि के कारण उत्पन्न किसी खतरे के प्रभाव से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में सांठ–गाँठ, जालसाजी, साभिप्राय चूक,गलतबयानी, आतंरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है
- ऐसी परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया तैयार करने के लिए सम्बद्ध आतंरिक नियंत्रण प्रणाली हासिल करते हैं ।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलनों की विश्वसनीयता और प्रबंधन द्वारा किये गए सम्बंधित प्रकटन का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रतिष्ठान के लेखांकन आधार का प्रबंधन द्वारा उपयोग और प्राप्त लेखा परीक्षा के आधार चाहे कार्यकलापों से सम्बंधित अनिश्चितताएं विद्यमान हों अथवा ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हों जिससे प्रतिष्ठान को चलाने में सोसाइटी की क्षमता पर व्यापक प्रभाव पड़ता हो, के आधार के औचित्य के संबंध में निष्कर्ष निकालना। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो हम अपने लेखा परीक्षा प्रतिवेदन रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों से सम्बंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करते हैं या यदि ऐसे प्रकटन अपर्याप्त होते हैं तो अपनी राय में परिवर्तन करते हैं। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में प्राप्त अद्यतन साक्ष्यों पर

आधारित होते हैं। हालांकि भविष्य की गतिविधियों या परिस्थितियों के कारण हो सकता है सोसाइटी एक लाभकारी संस्था न रहे है।

- वित्तीय विवरणों में प्रकटन सहित समग्र प्रस्तुतिकरण,संरचना और विषय वस्तु का मूल्यांकन करते हैं और इस बात का भी मूल्यांकन करते हैं कि क्या वित्तीय विवरणों में कारोबार और कार्यक्रम इस प्रकार दी गयीं हैं कि निष्पक्षता प्रदर्शित होती हो।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को अन्य बातों के अतिरिक्त योजनागत कार्य क्षेत्र,लेखा परीक्षा का समय और लेखा परीक्षा के दौरान पहचान किये गए आतंरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण खामियों सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों की जानकारी देते हैं।

हम प्रशासन से सम्बंधित व्यक्तियों को इस संबंध में एक वक्तव्य भी प्रदान करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता में और उनके साथ सभी स्तरों पर संचार तथा ऐसे अन्य मामलों में,जिसका हमारी स्वंतत्रता पर प्रभाव पड़ता हो, नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और जहाँ कहीं भी उपयुक्त हुआ सुरक्षोपाय अपनाये।

अन्य मामले

(क) हमने आठ निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जिनके वित्तीय विवरणों में 31 मार्च, 2020 की तारीख को कुल परिसंपत्तियां ₹ 30,346.18 लाख और उस तारीख को समाप्त वर्ष में कुल राजस्व ₹ 15,974.25 लाख दिखाए गए हैं। इन निदेशालयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा निदेशालयों के लेखा परीक्षकों द्वारा की गयी है जिनके रिपोर्ट हमे प्रस्तुत किये गए हैं और निदेशालयों से सम्बंधित राशि और प्रकटन के संबंध में हमारी राय ऐसे केवल निदेशालयों के लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट पर ही आधारित है। इन मामलों में हमारा मत नहीं बदला है ।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जोकि हमारे सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

ख) हमारी राय में खाता बहियों की जांच से पता चलता है कि सोसाइटी ने खाता बहियों को विधि के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से रखा है।

ग) इस रिपोर्ट में चर्चा किये गए तुलन पत्र, आय व्यय लेखा विवरण सहित नकदी प्रवाह विवरण सम्बद्ध बही खातों के अनुरूप हैं।

कृते जे. सी. भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्य सं. 505002
यूडीआईएन 21505002एएएएसीडी4889

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14 जनवरी, 2021

लेखा परीक्षक

वार्षिक लेखा
वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी आई) की सिफारिश के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। इनकी सूची निम्न प्रकार है:–

क्रम सं	लेखा परीक्षक कम्पनी का नाम	लेखा परीक्षा के लिए आवांटित केन्द
1	**जे. सी. भल्ला एंड कंपनी** बी–17, महारानीबाग नई दिल्ली–110065	लेखा का समेकन, लेखा परीक्षा एसटीपीआई–मुख्यालय, एसटीपीआई– नोएडा, मोहाली और जयपुर, इन्दौर, श्रीनगर, लखनऊ, देहरादून, शिमला, कानपुर, भिलाई, प्रयागराज और गुरूग्राम
2	**एस वी आर एंड एसोसिएट्स** एस–3,द्वितीय तल, मंगलम चैम्बर सं. 25 के एच रोड, बेंगलुरु–560027, (कर्नाटक)	बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई इकाई की लेखा परीक्षा
3	**पटानकर एण्ड एसोसिएट्स** कार्यालय सं. 19–23, चौथी मंजिल, गोल्ड विंग्स, सं. 118/ए, प्लॉट नं. 543, पार्वती नगर, सिंघगढ़, रोड, पुणे–411030 (महाराष्ट्र)	पुणे, नवी मुंबई एवं गांधीनगर इकाई की लेखा परीक्षा
4	**ओ एम केजरीवाल एंड कं.** ए 17/10, नीलगिरि निवास, एसपी सतर्कता कार्यालय के पास, सूर्य नगर, भुवनेश्वर–751 003 (ओडिशा)	भुवनेश्वर और गुवाहाटी इकाई की लेखा परीक्षा
5	**एन एस सरमा एसोसिएट्स** टीसी 37/1080, साउथ स्ट्रीट, फोर्ट तिरूवनंतपुरम–695023 (केरल)	तिरूवनंतपुरम की लेखा परीक्षा

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि ₹ में)

विवरण		अनुसूची सं0	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
निधियों का स्त्रोतः				
सामान्य निधि		1	7,37,51,57,511	7,39,00,64,100
आरक्षित एवं आधिक्य		2	13,63,18,566	13,63,18,566
चिन्हित निधि		3	1,63,49,41,384	1,84,73,33,871
	(क)		**9,14,64,17,461**	**9,37,37,16,537**
अन्तर इकाई लेखा	**(ख)**	4	-	-
ऋण निधि				
आरक्षित ऋण		5	-	-
अनारक्षित ऋण			5,70,00,000	5,70,00,000
	(ग)		5,70,00,000	5,70,00,000
आस्थगित कर देयताए	**(घ)**		-	-
कुल (क+ख+ग+घ)			9,20,34,17,461	9,43,07,16,537
निधियों का प्रयोगः				
परिसपंत्ति, संयंत्र और उपस्कर				
सकल खण्ड		6	5,02,48,90,226	4,50,14,56,116
घटाइएः संचित मूल्यह्रास			2,63,33,42,422	2,62,29,67,874
निवल खण्ड			2,39,15,47,804	1,87,84,88,242
प्रगति पर पूँजीगत कार्य		7	1,66,05,50,192	1,43,36,64,595
	(च)		**4,05,20,97,996**	**3,31,21,52,837**
निवेश	(छ)	8	4,80,20,531	4,80,44,166
आस्थगित कर परिसम्पत्तियाँ	(ज)		-	23,93,74,292
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ				
मालसूची		9	-	-
फुटकर देनदार		10	20,90,54,344	17,07,97,004
शेष नकद		11	10,338	2,608
ऋण तथा पेशगियाँ		12	5,25,26,60,856	4,97,37,84,432
बैंक में शेष जमा राशि		11	4,33,51,67,456	4,71,85,73,670
प्रचालनपूर्व			7,17,00,663	2,79,57,734
घटाइएः चालू देयताएं तथा प्रावधान			-	
चालू देयताएं		13	2,63,06,58,581	2,03,97,44,297
प्रावधान		14	2,13,46,36,142	2,02,02,25,909
निवल चालू परिसम्पत्तियाँ	**(झ)**		**5,10,32,98,934**	**5,83,11,45,242**
कुल (च+छ+ज+झ)			**9,20,34,17,461**	**9,43,07,16,537**
महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियां तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियाँ		**22 व 22क**		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।
उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

(पी.एन. सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14.01.2021

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार आय – व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं0	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
प्रचालन आय	15	1,88,38,60,215	1,63,03,59,532
अर्जित ब्याज	16	28,14,44,185	28,30,33,724
अन्य आय	17	2,91,83,893	4,46,00,631
कुल		**2,19,44,88,293**	**1,95,79,93,887**
व्यय			
डाटा लिंक प्रभार		6,25,40,387	7,83,63,938
परियोजना व्यय		17,06,31,786	4,85,39,432
कर्मचारियों की पारिश्रमिकी एवं लाभ	18	97,01,09,310	83,21,79,614
बिक्री, प्रशासन एवं अन्य व्यय	19	61,50,91,176	65,31,62,727
ब्याज एवं वित्त प्रभार	20	38,41,927	77,55,559
मूल्यह्रास	6	34,98,10,169	34,06,86,340
कुल		**2,17,20,24,755**	**1,96,06,87,610**
कर से पूर्व आधिक्य/(कमी) तथा पूर्व अवधि समायोजन		**2,24,63,538**	**(26,93,723)**
पूर्व अवधि समायोजन	21	1,13,75,293	1,63,26,614
कर से पूर्व आधिक्य/(कमी)		**3,38,38,831**	**1,36,32,891**
कराधान के लिए प्रावधान			
वर्तमान आयकर		-	
आस्थगित कर		-	
कुल कर व्यय		-	
कर के बाद आधिक्य/(कमी)		**3,38,38,831**	**1,36,32,891**
आधिक्य/(कमी) को तुलनपत्र में लाया गया		3,38,38,831	1,36,32,891
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ तथा लेखाओं पर दी गई टिप्पणिया	**22 व 22 क**		

संलग्न नोट वित्तीय विवरण के अभिन्न भाग हैं।
उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14.01.2021

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(पी.एन. सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार नगद प्रवाह विवरण

(राशि ₹ में)

	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	**प्रचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह**		
	कर एवं गत अवधि समायोजन से पहले निवल आधिक्य	2,24,63,538	(26,93,723)
	के लिए समायोजनः–		
	मूल्यह्रास	34,98,10,169	34,06,86,340
	ब्याज व्यय	38,41,927	77,55,559
	विविध देनदारों के लिए प्रावधान बट्टे खाते में डाले गए	(38,80,856)	(54,59,123)
	संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	(45,64,000)	(1,64,30,400)
	विविध ऋण शेष बट्टे खाते में डाले गए	(24,35,101)	(1,07,62,515)
	सेवानिवृति लाभ हेतु प्रावधान	11,33,63,481	(2,90,09,668)
	संदेहास्पद ऋण हेतु प्रावधान	60,65,329	83,96,693
	अशोध्य ऋण बट्टे खाते में डाले गए	1,15,774	7,66,033
	अचल सम्पत्ति की बिक्री पर लाभ/हानि	(9,91,764)	(5,52,239)
	ब्याज पर आय	(28,14,44,186)	(28,30,33,724)
	खर्चों का परिशोधन	-	12,29,741
	एएस–12 के अनुपालन से आय	(24,50,79,386)	(1,37,38,480)
	विदेशी मुद्रा अस्थिरता से हानि	34,56,054	-
	आस्थगित कर परिसंपत्ति	23,93,74,292	-
	आस्थगित टैक्स देयता	(4,87,45,418)	-
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन आधिक्य	**15,13,49,853**	**(28,45,505)**
	के लिए समायोजनः–		
	विविध देनदारों में (वृद्धि)/कमी	(3,60,07,213)	(97,15,709)
	ऋण व अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(1,20,32,39,123)	(29,07,14,411)
	स्टॉक सूची में (वृद्धि)/कमी	-	12,52,678
	चालू देयतायों और प्रावधान में वृद्धि/(कमी)	51,74,30,225	65,51,55,440
	गत अवधि समायोजन से पहले प्रचालन से उत्पन्न/(में प्रयुक्त) नगदी	**(57,04,66,257)**	**35,31,32,493**
	पूर्व अवधि समायोजन	1,13,75,293	1,63,26,614
	कर से पूर्व प्रचालन से उत्पन्न/(में प्रयुक्त)	**(55,90,90,964)**	**36,94,59,107**
	प्रचालन गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगदी	**(55,90,90,964)**	**36,94,59,107**
2	**निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	अचल संपत्ति की खरीद	(9,86,15,751)	(84,30,09,049)
	संपत्ति की बिक्री	17,01,905	5,52,239
	निवेश की बिक्री/(खरीद)	(12,049)	(10,55,664)
	संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	45,64,000	1,64,30,400
	पूंजीगत कार्य प्रगति पर	(15,33,40,914)	(31,34,73,167)
	अनुसूचित बैंको में जमा	69,55,67,961	38,06,04,989
	प्राप्त ब्याज	30,40,08,048	28,30,33,724
	पूर्व परिचालन व्यय में वृद्धि/(कमी)	(4,37,42,930)	-
	निवेश गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगद	**71,01,30,270**	**(47,69,16,528)**
3	**वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह**		
	ब्याज व्यय	(3,72,768)	(52,158)
	चिन्हत कोष में वृद्धि/(कमी)	18,40,66,800	14,79,73,968
	सुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	असुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
	वित्तीय गतिविधियों से/(में प्रयुक्त) निवल नगद	**18,36,94,032**	**14,79,21,810**
4	नगद व नगद समान में निवल वृद्धि/कमी	33,47,33,338	4,04,64,389
5	वर्ष के आरम्भ में नगद व नगद समान	67,18,97,633	63,14,33,244
	वर्ष के अंत में नगद व नगद समान	**1,00,66,30,971**	**67,18,97,633**

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

(पी.एन. सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14.01.2021

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 1: सामान्य निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान्य निधि		
शेष रकम आगे लायी गयी	7,39,00,64,100	7,37,64,31,209
जोड़िए: वर्ष के दौरान वृद्धि	3,38,38,831	1,36,32,891
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/समायोजित	(4,87,45,420)	-
कुल	**7,37,51,57,511**	**7,39,00,64,100**

अनुसूची 2: आरक्षित तथा आधिक्य

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित पूँजी		
शेष रकम आगे लायी गयी	13,63,18,566	13,63,18,566
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/ समायोजित	-	-
कुल	**13,63,18,566**	**13,63,18,566**

अनुसूची 3: आंबटित निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान–अपना		
शेष रकम आगे लायी गयी	1,72,98,33,871	1,77,30,09,405
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	31,72,39,855	9,05,00,005
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/समायोजित	59,92,49,142	13,36,75,539
(क)	**1,44,78,24,584**	**1,72,98,33,871**
सहायतार्थ अनुदान–अन्य निकायों के लिए		
सहायतार्थ शेष रकम आयी गयी	11,75,00,000	6,00,00,000
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	6,96,16,800	5,75,00,000
घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/समायोजित	-	-
(ख)	**18,71,16,800**	**11,75,00,000**
कुल (क+ख)	**1,63,49,41,384**	**1,84,73,33,871**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 4: अन्तर इकाई लेखा

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसटीपीआई–मुख्यालय	3,67,08,18,948	3,12,27,45,809
एसटीपीआई–भिलाई	(12,23,30,787)	(10,40,13,058)
एसटीपीआई–इन्दौर	(13,33,20,908)	(14,38,43,348)
एसटीपीआई–जयपुर	(8,87,64,131)	(5,45,68,777)
एसटीपीआई–जोधपुर	2,21,03,706	2,22,91,568
एसटीपीआई–मोहाली	(57,64,99,998)	(59,19,35,952)
एसटीपीआई–शिमला	89,13,852	76,41,082
एसटीपीआई–श्रीनगर	(17,85,73,153)	(15,90,19,572)
एसटीपीआई–जम्मू	40,55,232	39,87,912
एसटीपीआई–बैंगलुरू	(39,44,95,691)	(26,40,57,919)
एसटीपीआई–मैसूर	(17,00,02,286)	(14,79,24,599)
एसटीपीआई–मणिपाल	-	-
एसटीपीआई–हुबली	(50,93,237)	(27,10,850)
एसटीपीआई–मैंगलुरु	(2,05,17,526)	(2,51,50,517)
एसटीपीआई–हैदराबाद	(2,05,85,433)	(3,65,65,229)
एसटीपीआई–विशाखापत्तनम	(24,72,097)	(56,62,453)
एसटीपीआई–विजयवाड़ा	(34,79,33,767)	(28,19,30,059)
एसटीपीआई–वारंगल	33,73,112	18,68,589
एसटीपीआई–तिरूपति	72,98,166	44,80,656
एसटीपीआई–काकीनाड़ा	(2,28,196)	(9,26,182)
एसटीपीआई–नवी मुम्बई	6,56,87,172	5,72,02,191
एसटीपीआई–पुणे	8,02,26,234	1,38,97,112
एसटीपीआई–औरंगाबाद	25,60,899	(19,31,845)
एसटीपीआई–नागपुर	(1,30,52,014)	12,77,764
एसटीपीआई–कोल्हापुर	(28,90,360)	(75,45,916)
एसटीपीआई–नासिक	32,38,098	(14,49,669)
एसटीपीआई–नोएडा	(44,92,74,310)	(19,03,87,801)
एसटीपीआई–देहरादून	3,79,35,708	3,74,29,710
एसटीपीआई–लखनऊ	(41,83,958)	(18,269)
एसटीपीआई–कानपुर	(19,97,060)	(15,56,255)
एसटीपीआई–प्रयागराज	(10,83,62,544)	(10,65,00,967)
एसटीपीआई–चेन्नई	20,77,09,201	25,08,91,994
एसटीपीआई–कोयम्बटूर	1,53,08,855	17,37,312
एसटीपीआई–पुदुचेरी	1,78,44,444	(8,19,448)
एसटीपीआई–त्रिची	1,43,47,609	(4,83,484)
एसटीपीआई–तिरुनेलवेली	6,39,465	(75,733)
एसटीपीआई–मदुरै	7,00,255	(30,26,582)
एसटीपीआई–गंगटोक	1,16,75,527	31,50,790
एसटीपीआई–गुवाहाटी	(22,49,45,732)	(14,15,76,763)
एसटीपीआई–इम्फाल	1,39,59,057	84,57,698

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसटीपीआई–भुवनेश्वर	(14,50,12,169)	(27,17,73,307)
एसटीपीआई–दुर्गापुर	1,33,32,181	80,20,411
एसटीपीआई–कोलकाता	(39,32,93,064)	(18,37,72,995)
एसटीपीआई–राऊरकेला	1,13,25,488	73,99,675
एसटीपीआई–खड़गपुर	1,24,34,993	73,61,735
एसटीपीआई–रांची	(12,36,82,115)	(10,83,73,229)
एसटीपीआई–सिलीगुड़ी	1,29,24,411	85,95,661
एसटीपीआई–हल्दिया	1,25,59,953	84,68,744
एसटीपीआई–शिलौंग	42,54,203	(12,13,899)
एसटीपीआई–पटना	(13,04,35,045)	(6,47,63,433)
एसटीपीआई–भिवाड़ी	-	-
एसटीपीआई–तिरुवनंतपुरम	(15,73,91,464)	(15,30,88,080)
एसटीपीआई–गांधीनगर	(16,66,62,186)	(19,78,21,951)
शाखा पुनर्मिलान	-	-
एसटीपीआई–ब्रह्मपुर	(3,33,33,612)	(3,61,59,436)
एसटीपीआई–आइजोल	66,98,883	(75,10,695)
एसटीपीआई–अगरतला	(6,61,19,471)	(7,07,96,023)
एसटीपीआई–गुरुग्राम	(15,99,54,633)	(18,12,69,440)
एसटीपीआई–गोवा	(2,89,80,410)	(2,66,82,680)
एसटीपीआई–देवघर	84,61,702	
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 5 : ऋण निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित ऋण	-	-
बैंकों से नकद–उधार	-	-
वित्तीय संस्थानों से	-	-
आरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(क)	-	-
अनारक्षित ऋण	-	-
भारत सरकार से	-	-
राज्य सरकारों से	5,00,00,000	5,00,00,000
अन्य संस्थानों और एजेंसियों से	70,00,000	70,00,000
अनारक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
(ख)	**5,70,00,000**	**5,70,00,000**
कुल (क+ख)	**5,70,00,000**	**5,70,00,000**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 6: परिसम्पत्तियां, सयंत्र एवं उपस्कर

(राशि ₹ में)

विवरण	सकल खण्ड					मूल्यह्रास				निवल खण्ड	
	01.04.2019 को	परिवर्धने		कटौतियाँ / समायोजन	31.03.20 को	01.04.19 को	वर्ष के लिए	समायोजन / पूर्व अवधि मूल्यह्रास	31.03.20 को	31.03.20 को	31.03.19 को
		180 या उससे अधिक दिनों के लिए	180 से कम दिनों के लिए								
मूर्त सम्पत्तियां											
भूमि											
मुक्तिधारिता	17,041,374	-	-	-	17,041,374	-	-	-	-	17,041,374	17,041,374
पट्टाधारित	16,152,319	-	22,680,405	23,392,142	15,440,582	651,523	171,937	297,280	526,180	14,914,402	15,500,796
भवन											
आवासीय	-	-	76,455,570	-	76,455,570	-	1,181,026	-	1,181,026	75,274,544	-
अन्य	2,042,355,541	-	873,969,645	218,690,509	2,697,634,677	984,225,966	162,355,133	90,778,932	1,085,618,351	1,612,016,326	1,058,129,575
अस्थायी निर्माण	8,885,504	-	-	-	8,885,504	7,430,913	740,135	-	8,171,047	714,456	1,454,591
फर्नीचर एवं फिक्सर	292,028,340	2,943,329	1,223,251	21,594,274	274,600,645	175,549,769	15,262,751	16,221,103	170,758,379	103,842,266	116,478,571
विद्युत फिटिंग	254,204,366	209,488	342,429	24,846,357	229,909,926	103,565,203	31,852,399	24,184,143	111,233,459	118,676,467	150,639,163
एचएसडीसी उपस्कर	650,841,252	8,495,321	38,807,523	186,305,740	511,838,355	610,111,186	15,914,781	154,422,823	46,30,67,015	487,71,340	40,730,066
विद्युत उपस्कर	698,140,590	7,770,141	18,437,030	44,619,485	679,728,276	374,064,288	70,818,306	28,336,312	416,434,952	263,293,323	324,076,302
कार्यालय उपस्कर	192,259,419	2,594,675	4,025,010	6,692,600	192,186,504	137,009,352	12,944,172	2,662,360	144,148,752	48,037,752	55,250,066
कार	6,442,837	-	1,278,345	-	7,721,182	1,374,160	1,409,416	-	2,783,575	4,937,606	5,068,677
अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम्प्यूटर एवं उपांत उपस्कर	159,696,365	9,108,608	4,389,114	20,168,488	153,025,600	133,733,053	13,298,816	34,972,481	111,183,599	41,842,000	25,963,312
अग्निशमन उपस्कर	52,070,010	118,781	3,447,350	6,571,426	49,064,715	22,721,452	5,808,408	877,675	27,652,184	21,412,531	29,348,558
अमूर्त सम्पत्तियां	52,101,265	-	19,116	-	52,120,381	49,446,035	281,810	-	49,727,846	2,392,535	2,655,230
संयंत्र व उपकरण	59,236,935	-	-	-	59,236,935	23,084,974	17,771,081	-	40,856,055	18,380,880	36,151,961
वर्तमान वर्ष का कुल	**4,501,456,116**	**31,240,343**	**1,045,074,789**	**552,881,021**	**5,024,890,226**	**2,622,967,874**	**349,810,169**	**352,753,109**	**2,63,33,42,422,**	**2,39,15,47,804**	**1,878,488,242**
पिछले वर्ष का कुल	**3,910,418,870**	**311,487,096**	**612,088,447**	**332,538,297**	**4,501,456,116**	**2,367,702,454**	**340,686,340**	**85,981,786**	**2,622,967,874**	**1,878,488,242**	**1,542,716,415**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 7 : कार्यशील पूंजी प्रगति पर

(राशि ₹ में)

विवरण	प्रारंभिक शेष 01.04.2019 को	परिवर्धन	पूँजीगत/समायोजन	अंत शेष 31.03.2020 को
मूर्त संपत्ति				
भूमि:				
मुक्तिधारिता	-	-	-	-
पट्टाधारिता	8,676	-	-	8,676
भवन				
आवसीय	-	-	-	-
अन्य	1,41,18,80,266	25,34,82,201	2,87,96,503	1,63,65,65,964
अस्थायी निर्माण	-	-	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सर	-	-	-	-
बिजली फिटिंग्स	-	-	-	-
एचएसडीसी उपस्कर	8,35,000	-	-	8,35,000
विद्युत उपस्कर	-	-	-	-
कार्यालय उपस्कर	-	-	-	-
कम्प्यूटर तथा उपांत उपस्कर	1,82,10,415	-	-	1,82,10,415
अग्निशमन उपस्कर	-	-	-	-
अमूर्त सम्पत्तियां	-	-	-	-
मुद्रा परिवर्तन दर में अन्तर	-	-	-	-
संयत्र व उपकरण	-	-	-	-
कुल (क)	**1,43,09,34,357**	**25,34,82,201**	**2,87,96,503**	**1,65,56,20,055**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	27,30,238	21,99,899	-	49,30,137
चालू वर्ष का कुल	**1,43,36,64,595**	**25,56,82,100**	**2,87,96,503**	**1,66,05,50,192**
पिछला वर्ष	**1,12,03,32,203**	**38,01,09,724**	**6,67,77,332**	**1,43,36,64,595**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 8: निवेश

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संयुक्त उद्यम में निवेश	24,440,000	24,440,000
सहायक कम्पनियों में निवेश	-	-
भारत सरकार के प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बाण्ड में निवेश	-	-
अन्य में निवेश	23,580,531	23,604,166
कुल	**48,020,531**	**48,044,166**

अनुसूची 9: मालसूची

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भंडार एवं पुर्जे	-	-
एसटीपीआई प्रकाशन/पुस्तकें	-	-
परियोजना कार्य प्रगति पर	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 10: विविध देनदार

(राशि ₹ मे)

विवरण		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बकाया राशि 6 महीने से ज्यादा		197,233,763	169,499,796
अन्य बकाया राशि		140,052,243	131,778,998
	कुल (क)	**337,286,007**	**301,278,794**
घटाए: संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(ख)	128,231,663	130,481,790
कुल	**(क-ख)**	**209,054,344**	**170,797,004**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 11: नकद व बैंक में जमा राशि

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
उपलब्ध नकद राशि	5,649	1,464
उपलब्ध फूड वाउचर और स्टैम्प	4,689	1,144
(क)	**10,338**	**2,608**
अनुसूचित बैंकों के पास शेष रकम		
अनुसूचित बैंक के चालू खाते में	-	-
अनुसूचित बैंक के बचत खाते में	1,006,620,633	668,445,600
अनुसूचित बैंक के ईईएफसी खाता में		
अनुसूचित बैंक के जमा खाता में	45,118,990	1,509,362,430
हाथ में/पारगमन चेक/डीडी	-	3,449,424
जमा रकम पर अर्जित ब्याज पर अभी देय नहीं	115,711,684	138,275,546
(ख)	**1,167,451,307**	**2,319,533,000**
अन्य नकद और बैंक में जमा राशि		
सावधि जमा 3 महीने से अधिक	3,104,574,664	2,334,404,357
ग्रहणाधिकार के तहत सावधि जमा	63,141,485	64,636,313
(ग)	**3,167,716,149**	**2,399,040,670**
कुल(ख+ग)	**4,335,167,456**	**4,718,573,670**
कुल (क+ख+ग)	**4,33,51,77,794**	**4,71,85,76,278**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 12: ऋण तथा पेशगियाँ

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ऋण (असुरक्षित पर वसूली योग्य समझे गए):		
कर्मचारीगत	66,98,433	72,78,543
सहायक कंपनियां	-	-
अन्य	1,225	-
(क)	**66,99,658**	**72,78,543**
पेशगियां		
पूर्तिकर्ता एवं ठेकेदारों को	1,48,01,68,999	1,60,22,92,801
कर्मचारीगत (ब्याज सहित)	13,82,352	13,12,690
वसूली योग्य दावे	13,38,09,506	10,98,01,066
अन्य	90,09,81,574	68,52,64,931
(ख)	**2,51,63,42,431**	**2,39,86,71,488**
पूर्व अदायगी व्यय	32,84,766	27,56,020
प्रतिभूति/जमा अग्रिम धन	11,49,18,219	11,07,33,970
अग्रिम आयकर	2,72,08,51,323	2,56,37,79,952
(ग)	**2,83,90,54,308**	**2,67,72,69,942**
कुल(क+ख+ग)	**5,36,20,96,397**	**5,08,32,19,973**
घटाइए: संदेहात्मक ऋण तथा पेशगियों के लिए (घ)	10,94,35,541	10,94,35,541
कुल(क+ख+ग-घ)	**5,25,26,60,856**	**4,97,37,84,432**

31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियाँ जो तुलनपत्र का भाग है

अनुसूची 13: चालू देयताए

(राशि ₹ मे)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
विविध लेनदार :		
(क) सेवाओं के लिए	60,717,089	66,160,405
(ख) सप्लाई के लिए	153,419,919	34,985,193
(ग) अन्य खर्चों के लिए	22,631,142	33,272,616
	236,768,150	**134,418,214**
ठेकेदारों तथा अन्य से प्राप्त जमानत,प्रतिधारण राशि	357,546,109	379,660,987
ग्राहकों से प्राप्त पेशगी :		
(क) सेवाओं तथा अन्यों के लिए	240,652,913	249,463,257
(ख) परियोजना के लिए	263,617,172	194,756,424
	504,270,085	**444,219,681**
अन्य देयताएं	695,303,158	924,116,738
परियोजना के लिए पेशगी	836,771,079	157,328,677
कुल	**2,630,658,581**	**2,039,744,297**

अनुसूची 14: प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय कर	1,49,11,00,000	1,49,11,00,000
कर्मचारियों के लिए लाभ	61,49,80,637	49,59,81,771
प्रावधान : अन्य	2,85,55,505	3,31,44,138
कुल	**2,13,46,36,142**	**2,02,02,25,909**

31 मार्च, 2020 को समाप्त अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 15: प्रचालन आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सॉफ्ट प्वाइंट	-	-
सॉफ्ट लिंक	22,88,72,761	21,99,33,893
सैटेलाइट गेटवे सेवाएं	-	-
सांविधिक प्रभार	1,08,70,13,691	1,01,62,30,544
परियोजना कियान्वयन, प्रबंधन तथा परामर्श सेवाएं	22,96,36,005	7,56,50,406
इंक्यूबेशन से आय	27,54,09,387	24,86,61,242
अन्य सेवाएं	6,29,28,371	6,98,83,447
इंटरनेट टेलीफोनी सेवाएं	-	-
कुल	**1,88,38,60,215**	**1,63,03,59,532**

अनुसूची 16: ब्याज आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंकों के पास जमा राशि से	26,45,39,684	26,85,95,655
बैंकों के पास बचत खाते से	1,51,49,272	1,27,73,161
भारत सरकार की प्रतिभूति में निवेश से	-	-
बान्ड में निवेश से	-	-
कर्मचारियों को ऋण देने से	1,19,716	1,61,842
अन्यों से	16,35,513	15,03,066
कुल	**28,14,44,185**	**28,30,33,724**

अनुसूची 17: अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान एवं आर्थिक सहायता	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से लाभ	2,33,581	2,50,889
प्रतिलेखित पेशगियों के लिए प्रावधान	1,36,821	-
विविध देनदारों के प्रतिलेखन के लिए प्रावधान	37,44,035	54,59,123
विविध प्रतिलेखित बकाया ऋण	24,35,101	1,07,62,515
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ	9,92,814	5,52,239
निवेश की बिक्री/मोचन से लाभ	-	-
संयुक्त उद्यम से लाभांश	45,64,000	1,64,30,400
सहायक कंपनियों से लाभांश	-	-
अन्य से लाभांश	-	-
अन्य विविध आय	1,70,77,541	1,11,45,465
कुल	**2,91,83,893**	**4,46,00,631**

31 मार्च, 2020 को समाप्त अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 18: कर्मचारियों की परिश्रमिकी तथा लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वेतन, मजदूरी तथा अन्य लाभ	85,20,96,595	76,52,65,702
भविष्य तथा अन्य निधियों में अंशदान	5,72,12,506	6,09,92,070
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	3,68,70,816	(1,67,74,201)
कर्मगारों तथा कर्मचारियों के लिए कल्याणार्थ	2,39,29,393	2,26,96,043
कुल	**97,01,09,310**	**83,21,79,614**

अनुसूची 19: बिक्री, प्रशासनिक और अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्टोर एवं पुर्जों की खपत	45,73,978	17,48,653
किराया	8,14,89,282	15,71,45,512
दर एवं कर	3,34,70,953	3,86,50,863
प्रशिक्षण एवं भर्ती	25,18,927	24,00,994
बीमा	19,94,112	13,80,781
मरम्मत एवं अनुरक्षण – भवन	6,75,94,309	5,98,71,313
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अर्थ स्टेशन	81,90,539	44,57,469
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अन्य	4,22,94,327	2,08,43,866
संचार व्यय	95,79,687	92,42,317
यात्रा एवं वाहन व्यय	1,86,07,954	2,10,77,917
वाहन चालन एवं किराया प्रभार	2,24,20,799	2,22,72,926
लेखा परीक्षकों की अदायगी	7,80,000	6,50,000
विज्ञापन तथा प्रचार व्यय	1,74,72,696	2,79,50,063
सुरक्षा व्यय	8,38,04,803	7,71,57,080
व्यवसाय संवर्धन	35,83,116	30,47,288
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	48,11,963	54,24,903
अखबार पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएं	5,45,639	5,17,294
बैंक प्रभार	11,51,025	14,28,522
बिजली, ईधन एवं पानी प्रभार	17,03,62,561	15,67,79,257
कंप्यूटर किराया तथा परिचालन व्यय	39,08,774	33,19,714
विधिक शुल्क	3,81,215	2,08,850
व्यावसायिक एवं परामर्श प्रभार	1,32,92,876	1,29,70,549
दान	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से हानि	34,56,054	29,14,666
अचल सम्पति की बिक्री/परित्याग से घाटा	1,050	1,481
निवेश की बिक्री/मोचन से घाटा	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	60,65,329	83,96,693
संदेहास्पद अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
अप्रचलित स्टॉक के लिए प्रावधान	-	-
बट्टे खाते में डाले गए अप्राप्य ऋण	1,15,774	7,66,033
अन्य व्यय	1,26,23,434	1,25,37,723
कुल	**61,50,91,176**	**65,31,62,727**

31 मार्च, 2020 को समाप्त अनुसूचियाँ जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 20: ब्याज एवं वित्त प्रभार

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त ऋण पर ब्याज	-	-
बैंकों से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
विदेशी करेंसी ऋण पर ब्याज	-	-
भारतीय मुद्रा में ऋण पर किया गया खर्च	-	-
विदेशी मुद्रा में ऋण पर किया गया खर्च	-	-
अन्य पर ब्याज	38,41,927	77,55,559
कुल	**38,41,927**	**77,55,559**

अनुसूची 21: पूर्व अवधि समायोजन

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पूर्व अवधि व्यय		
डेटा लिंक प्रभार	6,59,348	5,26,116
परियोजना व्यय	5,455	2,82,891
कर्मचारियों की परिश्रमिकी पर व्यय	-	-
मूल्यह्रास	1,49,09,261	2,73,948
संचार व्यय	2,457	-
यात्रा एवं परिवहन	75,848	34,510
जल एवं विद्युत	6,347	26,621
सेवाएं	-	-
ब्याज	-	-
अन्य	23,25,73,483	54,41,259
	24,82,32,199	**65,85,345**
पूर्व अवधि आय		
सेवाएं	26,45,317	14,14,418
ब्याज	-	6,157
अन्य	25,69,62,175	2,14,91,384
	25,96,07,492	**2,29,11,959**
कुल	**1,13,75,293**	**1,63,26,614**

अनुसूची–22

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. लेखांकन परिपाटियाँ

क) लेखा ऐतिहासिक लागत परिपाटी तथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतो के अनुसार लेखांकन के अर्जन के आधार पर तैयार किए गए हैं।

ख) लेखांकन नीतियाँ जिनका विशेष रूप से किसी स्थान पर अन्यत्र उल्लेख नहीं किया गया है, संगतपूर्ण हैं तथा सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय लेखांकन पद्धतियों/सिद्धांतों के अनुरूप हैं, जिसमे अनिवार्य लेखांकन मानकों सहित सिद्धांतों, मार्गदर्शी, टिप्पणियों तथा आईसीएआई द्वारा जारी अन्य घोषणाएं शामिल है।

ग) समग्र प्रभाव के मूर्त न होने के कारण उपभोज्य भंडार सामग्री को व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है, चाहे वर्ष के अंत तक उनका उपभोग कर लिया गया हो अथवा उन्हें भंडार में ही रखा गया हो।

घ) उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिष्ठापित रेडियो मास्ट की लागत को उपयोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और इसे ग्राहकों से वसूल किया जाता है और तदनुसार इसे सॉफ्टपॉइंट /सॉफ्टलिंक आय में दर्ज किया गया है।

ड) 5000/– रुपये से कम राशि के पूर्व अवधि व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष में सीधा नामे खाते में डाला/जमा किया जाता है।

2. अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरणियाँ तैयार करते समय अनुमानों और पूर्वानुमानों की जरूरत होती है जिनका प्रभाव उस अवधि के आय तथा व्यय की बताई गई राशि, परिसम्पतियों तथा देयताओं के लिए दर्शाई गई राशि तथा आज की स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरणियों की आकस्मिक देयताओं पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच के अंतर को उस अवधि का माना जाता है जिस अवधि में परिणाम का पता लगता है/पूरा हो जाता है।

3. मूल्यह्रास

क) संयोजन वर्ष में 5000/– रुपये तथा उससे कम की परिसम्पतियों का शत–प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास किया जाता है।

ख) नीचे दी गयी विनिर्धारित दरों के आधार पर सरल रेखापद्धति के अनुसार अन्य परिसम्पतियों का मूल्यह्रास किया जाता है।

1.	भवन	10%
2.	कम्प्यूटर तथा उपांत उपस्कर	25%
3.	विद्युत स्थापन	15%
4.	फर्नीचर एवं फिक्सचर	10%
5.	कर्यालय उपस्कर	15%
6.	एचएसडीसी उपस्कर	20%
7.	टावर तथा मास्ट	20%
8.	मोबाईल फोन	25%
9.	वाहन	20%
10.	प्लांट व मशीनरी	30%

ग) अमूर्त परिसम्पतियों का अनुमानित लाभप्रद अवधि के आधार पर परिशोधन किया जाता है। तेजी से होने वाले प्रौद्योगिकी परिवर्तनों और अप्रचलन की तेज दर के कारण सॉफ्टवेयर व्ययों को उद्भूत वर्ष का ही माना जाता है।

4. राजस्व मान्यता

क) वार्षिक सेवा शुल्क वर्ष के आरंभ में अस्थायी रूप से यूनिट के पिछले वर्ष के अनुमानित/वास्तविक निर्यात कारोबार के उच्च स्तर पर लगाया जाता है। वास्तविक आंकड़े प्राप्त होने पर शुल्क में अंतर/परिवर्तन दर्ज किया जाता है।

ख) स्थान तथा मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए मासिक आधार पर शुल्क लगाया जाता है।

ग) डीबोन्डिग अथवा शिथिल ईकाइयों के मामलों में न्यूनतम शुल्क लगाया जाता है और इसे पंजीकरण के समय प्राप्त पेशगी जमा में से समायोजित किया जाता है। इसके बाद शेष पेशगी रकम को न्यूनतम शुल्क से कम होने पर अन्य आय के रूप में माना जाता है।

5. परिसंपत्ति संयंत्र और उपस्कर

क) परिसंपत्ति संयंत्र और उपस्कर की लगत में निम्नलिखित शामिल होते हैं:

(i) इसका खरीद मूल्य, जिसमे आयात शुल्क सहित व्यापार में छूट और रियायत के बाद गैर वापसी योग्य क्रय शुल्क शामिल है।

(ii) संपत्ति को उसके स्थान पर सीधे लाने के लिए देय किसी प्रकार का लागत और इसे प्रबंधन की आवश्यकता के अनुसार परिचालन योग्य बनाने की आवश्यक शर्तें।

ख) प्रचालन पूर्व खर्च को पूंजी में परिणत किया जाता है तथा अभिचालित होने पर विभिन्न परिसम्पत्तियों में संविभाजित किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन बैंक द्वारा निर्दिष्ट औसत दरों पर लेन–देन की अवधि के दौरान दर्ज किए गए हैं। लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित शेष मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य दर पर किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति के अनुरूप उस वर्ष के आय अथवा व्यय माना जाता है।

7. अनुदान

पूंजीगत व्यय के लिए प्राप्त अनुदान को तब तक देयता के रूप में दर्शाया जाता है जब तक कि परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर निर्मित अथवा सृजत नहीं कर ली जाती है । इस अनुदान से अचल संपत्ति के निर्माण/सृजन के बाद देयता निर्मित/सृजत संपत्ति के मूल्य के बराबर कम हो जाएगी और उपयोग की गयी राशि सम्बद्ध परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की लागत से कम कर दी जाएगी ।

8. निवेश का लेखांकन

दीर्घावधि निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया जाता है। अगर गिरावट अस्थायी नहीं है, तो मूल्यह्रास का प्रावधान लेखांकन मानक–13 'निवेश के लिए लेखांकन' के अनुसार किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

कर्मचारियों के लाभ से संबधित व्यय तथा देयाताओं को संशोधित लेखांकन मानक–15 आईसीएआई द्वारा जारी कर्मचारी लाभ (संशोधित 2005) के अनुसार अंकित किया जाता है।

क) भविष्य निधि

कर्मचारी के भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को वास्तविक आधार पर खाता में डाला जाता है तथा इसे आय एवं व्यय लेखा में प्रभारित किया जाता है।

ख) ग्रेच्युटी (उपदान)

ग्रेच्युटी सेवा उपरांत एक निश्चित लाभ योजना है। ग्रेच्युटी के लिए तुलन–पत्र में भावी देयता अमान्य बिमांकिक लाभ अथवा हानि तथा पिछली सेवा लागत का समायोजन सहित योजनागत परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटा कर तुलन–पत्र की तारीख में विनिर्धारित लाभ/देयता का वर्तमान मूल्य है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चित लाभ/देयता की गणना तुलन–पत्र की तारीख अथवा इसके आस–पास के आधार पर किया जाता है।

पिछले अनुभव तथा बिमांकिक लाभ के परिवर्तन से हुई लाभ तथा हानि को जिस वर्ष की लाभ तथा हानि लेखा से संबंधित है, के आय तथा व्यय लेखा में प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

ग) छुट्टी का नगदीकरण

तुलन–पत्र की तारीख के बाद देय अथवा देय योग्य छुट्टी के नगदीकरण का अनुमान देयता के बारे में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए एक स्वतंत्र बिमांकिक द्वारा बिमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

घ) अन्य अल्पकालीन लाभ

अन्य अल्पकालीन लाभों के व्यय को कर्मचारियों द्वारा की गई सेवाओं के दौरान अदायगी योग्य अवधि के लिए अथवा अदा की गई रकम के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

10. पट्टाधारिता

परिसम्पत्ति का पट्टा, जिसके अंतर्गत स्वामित्व का सभी लाभ तथा जोखिम पत्रकार के पास रहता है,को परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्रचालन पट्टा को प्रभार करारनामे की शर्तों के अनुसार,जो सोसायटी के लाभ की समय पद्धति का सूचक है, आय तथा व्यय लेखा में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

11. आय पर कर

क) वर्तमान कर का प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

ख) भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक एएस–22 ' आय पर कर के लिए लेखांकन' के अनुसार लाभ तथा आय कर लाभ के बीच की अवधि से उत्पन्न आस्थगित कर देयता/परिसंपत्ति को खाते में उस समय के लिए लागू कर की दर के अनुसार बाद के वर्षों में तय किया जाता है। तथापि वसूली की पर्याप्त/वास्तविक निश्चिंतता होने पर ही आस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है ।

12. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

एएस– 26 'अमूर्त परिसंपत्तियाँ' में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार पहचान योग्य गैर–मुद्रा संबंधी परिसंपत्ति के क्रय एवं विकास पर किए गए पूँजीगत व्यय को बिना किसी वास्तविक आधार पर सॉफ्टवेयर व्यय को छोड़कर, को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है। इन्हें वर्गीकृत किया जाता है तथा इन्हें परिसंपतियाँ, संयत्र और उपस्कर की अनुसूची में अलग से दर्शाया जाता है। इनकी अनुमानित कार्यकारी स्थिति तक इन्हें परिशोधित किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

प्रबंधक–वर्ग समय–समय पर बाहरी एवं आन्तरिक स्रोतों का इस्तेमाल करते हुए, परिसंपत्तियों की हानि का आकलन करता है। परिसंपत्ति के निरंतर इस्तेमाल और अंततः इसके निपटान के फलस्वरूप भविष्य में होने वाले लेन–देन में दर्ज मूल्य के वर्तमान मूल्य से अधिक होने पर हानि होती है। हानि पर होने वाले व्यय का निर्धारण परिसंपत्ति के निवल बिक्री मूल्य अथवा यथा निर्धारित वर्तमान मूल्य के अंकित मूल्य से आधिक्य के आधार किया जाता है। तुलन–पत्र की तारीख को ऐसा कोई संकेत होने पर कि आकलित हानि अब नहीं है, तो वसूली योग्य राशि का पुनः आकलन करके परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि को लागत के अधिकतम मूल्यह्रास के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

14. प्रावधान तथा आकस्मिक खर्च

ऐसे किसी पिछले आयोजन, जहां वास्तविक अनुमान लगाया जा सकता है, के फलस्वरूप अनिश्चित अवधि अथवा राशि के वर्तमान दायित्वों के लिए प्रावधान किया जाता है तथा संभवतः आर्थिक लाभ के लिए स्रोतो की निकासी अपेक्षित होने अथवा राशि का आकलन विश्वसनीय रूप से नहीं कर पाने पर यदि स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं है, तो इस दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया जाता है। संभावित दायित्वों, जिनके मौजूद होने की पुष्टि किसी एक अथवा अधिक अनिश्चित आयोजन के होने अथवा नहीं होने से ही की जाएगी, को भी स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं होने पर आकस्मिक देयताओ के रूप में दर्शाया जाता है।

15. नगदी व समरूप नगदी

नगदी और समरूप नगदी में बैंक और हाथ में नगदी तथा तीन माह या इससे कम अवधि के अल्पावधि निवेश शामिल है।

अनुसूची–22 क

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. विविध देनदारों, विविध लेनदारों तथा संस्था द्वारा दिए गए और लिए गए ऋण और अग्रिम की शेष राशि, संबंधित पार्टियों से पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अध्यधीन हैं।

2. सोसाइटी के विचार से सभी ज्ञात देयताओं का लेखाओं में पर्याप्त प्रावधान किया गया है तथा चालू परिसंपत्तियों, ऋण तथा पेशागियों की तुलन–पत्र में उल्लिखित कम से कम मूल्य के बराबर सामान्य कारोबार के दौरान वसूली की जा सकती है।

3. क) सीमा शुल्क विभाग के पास ₹ 61,89,122/– मूल्य की (पिछले वर्ष ₹ 61,89,122/–) परिसंपत्तियाँ, संयत्र और उपस्कर बंधक है।
   ख) स्थायी परिसंपत्तियों में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए हैं और 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार उपयोग में नहीं आ रहे थे। इन उपस्करों की मूल लागत और बट्टे खाते में उनका मूल्य दिनांक 31.03.2020 को क्रमश ₹ 32,26,18,591/– (गत वर्ष ₹ 33,76,34,114/– तथा ₹ 1,614/– (गत वर्ष शून्य रूपये) था।

4. जारी की गई बैंक प्रतिभूति के लिए ₹ 6,31,41,485/– की सावधि जमा (गत वर्ष ₹ 6,46,36,313/–) बैंक के पास ग्रहणाधिकार में है।

5. (क) हैदराबाद स्थित इन्क्यूबेशन सेंटर बिल्डिंग, जिसे पूंजीकृत किया गया/इस्तेमाल योग्य बनाया गया /विकासकर्ता को समानुपात शेयर वर्ष 2009–10 के दौरान हस्तांतरित कर दिया गया था, को वर्ष 2010–11 के दौरान खातों में दर्ज कर दिया गया है। भूमि का 61 प्रतिशत अंश जिसका मूल्य ₹ 78,29,533/– है, जोकि विकासकर्ता के अंश का भाग है, विधिक औपचारिकता का मामला लंबित होने के कारण अभी तक विकासकर्ता को नहीं दिया गया है। मध्यस्थ द्वारा निर्णय एसटीपीआई के पक्ष में दिया गया है। लेकिन विकासकर्ता ने अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश, सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में अपील दायर की है और मामला सिटी सिविल कोर्ट में विचाराधीन है।

   (ख) एसटीपीआई ने ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए अनुबंध प्रदान किया था। लेकिन कार्यान्वयन में देरी और समझौते के अनुसार कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण, एसटीपीआई ने अनुबंध समाप्त कर दिया है और वसूली के लिए दावा किया है। चुंकि मध्यस्थता की कार्यवाही चल रही है अतः ₹ 1,82,10,415/– का प्रावधान कार्य प्रगति पर दर्शाते हुए किया गया है।

   (ग) एसटीपीआई ने एसटीपीआई के कंप्यूटरीकरण का अनुबंध प्रदान किया था। किन्तु सिस्टम इंटेग्रेटर अनुबंध दायित्वों के निर्वहन में असफल रहा और इसलिए ₹ 1,70,84,658/– की राशि का पीबीजी जब्त कर लिया गया और उसे वर्तमान दायित्वों के रूप में दिखाया गया है।

6. ₹ 4,21,45,016/– के लेखाओं के कथित दुर्विनियोग/गबन रकम के बारे में दायर दिवानी/आपराधिक मामला अभी भी निर्णय के लिए सक्षम न्यायालय में लंबित है। फिर भी इस रकम के लिए प्रावधान कर दिया गया है।

7. दूरसंचार विभाग ने बेतार आयोजना समन्वय (डब्ल्यूपीसी) के बेतार दूर संचार लाइसेंस शुल्क की मद में 31 दिसम्बर, 2004 तक के लिए ₹ 6,30,20,500/– की माँग की है। एसटीपीआई ने केन्द्रों में वास्तविक इस्तेमाल के अनुसार तैयार की गई राशि के आधार पर खाते में ₹ 5,60,97,607/– का व्यय दर्ज किया है। दूरसंचार विभाग के साथ इस बारे में लेखाओं का मिलान किया जा रहा है तथा समायोजन (यदि कोई हो) के लिए लेखाओं के मिलान पश्चात् प्रावधान किए जाएंगे। 01.01.05 से 31.03.2020 की अवधि के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

8. ### वित्त वर्ष में लेखापरीक्षक को दिया गया/देय पारिश्रमिकी

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19
सांविधिक लेखा परीक्षक को भुगतान	3,22,500/-	2,68,750/-
शाखा लेखा परीक्षक को भुगतान	4,57,500/-	3,81,250/-

9. **(क) वर्तमान करः**

सोसाइटी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत पंजीकृत है और इसने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत छूट का दावा किया है। निर्धारण वर्ष 2006–07, 2007–08 और 2008–09 के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण, दिल्ली के हाल के आदेशों में, आयकर अपीलीय अधिकरण ने भी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत एसटीपीआई की छूट के दावे को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त माननीय दिल्ली उच्च न्यालायाय ने भी अपने आदेश दिनांक 30 जुलाई, 2019 द्वारा उस अवधि की उस स्थिति को स्वीकार किया है और आयकर अपीलीय अधिकरण के आदेश के खिलाफ राजस्व द्वारा दायर अपील को स्वीकार नहीं किया है और भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी राजस्व विभाग द्वारा अपील को खारिज़ करते हुए निर्धारण वर्ष 2008–2009 की उसी स्थिति की पुष्टि की है तदनुसार सोसाइटी ने वित्त वर्ष 2014–15 से कोई प्रावधान नहीं किया है ।

(ख) आस्थगित करः

वर्ष के दौरान एसटीपीआई ने पूर्व अवधि आय के लिए डीटीए के लिए और ₹ 23,93,74,292/– और डीटीएल के लिए ₹ 4,87,45,418/– की राशि का समायोजन किया है।

10. **लेखांकन मानक–15 'कर्मचारियों को लाभ'"**

संस्था ने 'कर्मचारियों को लाभ' संशोधित लेखांकन मानक–15 स्वीकार किया है।

सुनिश्चित अंशदान योजना

वर्ष के दौरान व्यय के रूप में मानी गई सुनिश्चित अंशदान योजना में अंशदान नीचे दिए अनुसार हैः भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान ₹ 4,82,85,257/–(पिछला वर्ष ₹ 4,80,89,667/–)

सुनिश्चित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी निधि योजना एक सुनिश्चित लाभ योजना है। देयताओं के वर्तमान मूल्य को अनुमानित इकाई जमा प्रणाली का प्रयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसमे यह माना जाता है कि प्रत्येक सेवा अवधि से कर्मचारी की लाभ पात्रता में एक अतिरिक्त इकाई की वृद्धि होती है और देयताओं का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय ऐसी प्रत्येक इकाई की अलग–अलग गणना की जाती है। छुट्टी नगदीकरण की देयताओं के लिए भी ग्रेच्यूटी की ही पद्धति अपनाई जाती है।.

ग्रेच्युटी

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वर्ष के आरम्भ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	23,87,80,482	24,34,45,506	20,08,89,466	13,69,16,198	12,40,10,020
वर्तमान सेवा लागत	2,09,43,397	1,83,28,025	1,91,46,701	1,67,45,643	1,18,93,629
ब्याज लागत	1,82,90,585	1,87,69,649	1,51,47,066	1,03,23,481	99,20,802
बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,46,53,439	(3,98,59,122)	(75,66,495)	3,69,04,144	(61,16,161)
अदा किया लाभ	(15,19,560)	(19,03,576)	(7,14,755)	-	(27,92,092)
विगत सेवा लागत	-	-	1,65,43,523	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	**29,11,48,343**	**23,87,80,482**	**24,34,45,506**	**20,08,89,466**	**13,69,16,198**

2. योजना परिसम्पत्तियों के वास्तविक मूल्य के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य वर्ष के आरम्भ में योजना	21,26,92,647	13,00,86,141	11,09,76,830	9,78,77,487	9,30,41,194
अनुमानित लाभ	1,59,51,949	98,21,504	83,78,751	73,89,750	76,28,385
बीमांकिक लाभ /(हानि)	10,64,656	45,18,688	11,73,657	12,09,657	-
नियोक्ता द्वारा अंशदान	2,30,15,817	7,01,69,890	1,02,71,658	44,99,936	-
अदा किये गये फायदे	(15,19,560)	(19,03,576)	(7,14,755)	-	(27,92,092)
अदायगी लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	**25,12,05,509**	**21,26,92,647**	**13,00,86,141**	**11,09,76,830**	**9,78,77,487**
योजना सम्पत्तियों का वास्तविक लाभ	1,70,16,605	1,43,40,192	95,52,408	73,89,750	76,28,385

3. तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का पुनर्मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	25,12,05,509	21,26,92,647	13,00,86,141	11,09,76,830	9,78,77,487
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	29,11,48,343	23,87,80,482	24,34,45,506	20,08,89,466	13,69,16,198
तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति / (देयताएँ)	**(3,99,42,834)**	**(2,60,87,835)**	**(11,33,59,365)**	**(8,99,12,636)**	**(3,90,38,711)**

4. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वर्तमान सेवा लागत	2,09,43,397	1,83,28,025	1,91,46,701	1,67,45,643	1,18,93,629
ब्याज लागत	1,82,90,585	1,87,69,649	1,51,47,066	1,03,23,481	99,20,802
योजना सम्पतियों पर अनुमानित लाभ	(1,59,51,949)	(98,21,504)	(83,78,751)	(73,89,750)	(76,28,385)
विगत सेवा लागत	-	-	1,65,43,523	-	-
अवधि के दौरान मान्य निवल बीमांकिक (लाभ)/ हानि	1,35,88,783	(4,43,77,810)	(87,40,152)	3,56,94,487	(61,16,161)
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**3,68,70,816**	**(1,71,01,640)**	**3,37,18,387**	**5,53,73,861**	**80,69,886**

5. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	6.92 %	7.66%	7.71%	7.54%	8.00%
भावी वेतन वृद्धि	8.00 %	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ दर	7.43 %	7.50%	7.55%	7.55%	8.00%
सेवानिवृत्ति उम्र	60 years	60 years	60 years	60 years	60 years
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

6. योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ	1,59,51,949	98,21,504	83,78,751	73,89,750	76,28,385
बीमांकिक लाभ / (हानि)	10,64,656	45,18,688	11,73,657	12,09,657	-
योजना परिसम्पत्तियों पर वास्तविक लाभ	**1,70,16,605**	**1,43,40,192**	**95,52,408**	**85,99,407**	**76,28,385**

छुट्टी नकदीकरण

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वर्ष के आरंभ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	23,76,66,455	20,61,81,182	17,42,69,820	12,52,63,084	11,06,60,839
वर्तमान सेवा लागत	2,38,60,045	2,02,66,126	1,82,84,767	1,58,27,774	1,17,47,835
ब्याज लागत	1,82,05,250	1,58,96,569	1,31,39,944	94,44,837	88,52,867
बीमांकिक (लाभ) / हानि	3,44,27,370	96,07,638	1,28,04,944	3,24,83,997	37,37,395
अदा किया गया लाभ	(1,37,83,317)	(1,42,85,060)	(1,23,18,293)	(87,49,872)	(97,35,852)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	**30,03,75,803**	**23,76,66,455**	**20,61,81,182**	**17,42,69,820**	**12,52,63,084**

2. तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वित्त वर्ष के अंत में योजना परिसम्पति का सही मूल्य	-	-	-	-	-
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	30,03,75,803	23,76,66,455	20,61,81,182	17,42,69,820	12,52,63,084
तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति / (देयताए)	**(30,03,75,803)**	**(23,76,66,455)**	**(20,61,81,182)**	**(17,42,69,820)**	**(12,52,63,084)**

3. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्का के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
वर्तमान सेवा लागत	2,38,60,045	2,02,66,126	1,82,84,767	1,58,27,774	1,17,47,835
ब्याज लागत	1,82,05,250	1,58,96,569	1,31,39,944	94,44,837	88,52,867
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ) / हानि	3,44,27,370	96,07,638	1,28,04,944	3,24,83,997	37,37,395
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**7,64,92,665**	**4,57,70,333**	**4,42,29,655**	**5,77,56,608**	**2,43,38,096**

4. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं

विवरण	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2012 - 14)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	6.92%	7.66%	7.71%	7.54%	8.00%
भावी वेतन वृद्धि	8.00 %	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्ति उम्र	60 years	60 years	60 years	60 years	60 years
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	**1.00%**	**1.00%**	**1.00%**	**1.00%**	**1.00%**

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि दर का अनुमान लगाया जाता है, जिसमें मूल्य वृद्धि दर, वरिष्ठता, पदोन्नत्ति के साथ–साथ रोजगार बाजार में माँग और आपूर्ति जैसे सुसंगत कारकों पर ध्यान दिया जाता है। बिमांकिक द्वारा छुट्टी नगदीकरण और ग्रेच्यूटी प्रमाणित किया जाता है।

11. निकायः संयुक्त नियंत्रित

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अनुमोदन से एसटीपीआई ने इंडिया डाट इन पोर्टल और संबंधित सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए एमटीएनएल के साथ दिनांक 03.02.2006 को संयुक्त उद्यम के रूप में एक कंपनी का गठन किया। तद्नुसार, कंपनी का नाम एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि0 रखा गया। यह कंपनी 5,000 लाख रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी से जो 10 रुपये प्रति शेयर मूल्य के 500,00,000 शेयर में विभाजित करके निगमित की गई। इन शेयरों को एसटीपीआई और एमटीएनएल ने बराबर मात्रा में खरीदा है। कंपनी रजिस्ट्रार ने इस संबंध में दिनांक 31.03.2006 को निगमन प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। संगम ज्ञापन के अनुसरण में सोसाइटी से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से 10 रुपये मूल्य के प्रति शेयर की दर से 22,82,000 शेयरों की खरीद की है तथा वर्ष के दौरान तुलन–पत्र की तारीख तक इन्हें दिखाया गया है। 2.44 करोड़ के निवेश में व्यय/परिसंपत्ति के लिए 16.20 लाख भी शामिल है जिसे अभी मान्य नही किया गया ।

नाम	हित स्वामित्व	
	31.03.2020	31.03.2019
एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.	50 %	50 %

एएस–27 के अनुसार "संयुक्त उद्यम में हितों का वित्तीय रिपोर्टिंग" के अनुरूप संयुक्त नियंत्रित निकाय की परिसंपत्तियों, दायित्वों, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं में संस्था की अधिभागिता इस प्रकार हैः

(राशि ₹ में)

	विवरण	31.03.2020	31.03.2019
i)	**परिसंपत्तियाँ**		
	परिसंपत्ति, संयत्र और उपस्कर	24,96,970.50	30,85,569
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	4,91,392.50	5,44,192
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तिया	401.50	151
	आय कर परिसंपत्तियां(निवल)	28,71,739.50	28,18,957
	अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	3,33,19,459.50	2,73,05,632
ii)	**देयताएं**		
	चालू देयताएं	01,23,78,108	80,16,057
iii)	**आय**	3,07,30,361.50	2,86,27,022
iv)	**व्यय**	1,82,40,699.50	1,83,30,874
v)	**आकस्मिक देयताएं**	6,49,25,341	6,49,25,341

12. सोसाइटी केवल एक ही लक्ष्य यथा आईटी तथा आईटीईएस उद्योग के संवर्धन पर कार्य करती है।

13. एसटीपीआई को केंन्द्र और राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त हो रहा है। ये अनुदान पूंजी और राजस्व दोनों स्वरुप के हैं। पूंजीगत अनुदान पूंजीगत व्यय जैसे कि नया कें स्थापित करने या नयी पूंजीगत अस्तियों की खरीद के लिए प्रदान की जाती है। विगत वर्षों में उक्त सहायता अनुदान तुलन–पत्र की अनुसूची 3 अर्थात् "आवंटित निधि" में वित्त वर्ष 2014–2015 से वित्त वर्ष 2018–19 के लिए लिंक्ड कैपिटल एसेट्स के साथ समायोजित करके दिखायी गयी थी। एसटीपीआई ने वित्त वर्ष अर्थात् 2018–19 से लेखांकन मानक 12 अपनाया है जो वित्त वर्ष 2014–15

से भूतलक्षी प्रभाव से लागू है। सोसाइटी ने चालू वित्त वर्ष 2019–20 में लेखांकन मानक 12 को वित्त वर्ष 2004–05 से 2013–14 के लिए लागू किया है। तदनुसार, सकल खंड आस्तियां में 22,60,99,535/– रुपयों और आवंटित निधि में 26,04,23,190/– रुपयों की कमी आयी है। पूर्व के वर्षों में उक्त राशि में प्रभारित मूल्यह्रास की राशि जो 24,50,79,386/– रुपये है, को भी पूर्व अवधि आय के रूप में बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

14. राज्य सरकार से ₹ 5,70,00,000/– की राशि ब्याज मुक्त असुरक्षित राशि के रूप में प्राप्त हुई है।

15. सम्बंधित पार्टी की सूचनाः–

वर्ष के दौरान एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि0 (संयुक्त उद्यम) के साथ निम्नलिखित कारोबार किया गयाः–

1. एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि0 (संयुक्त उद्यम)

लाभांश प्राप्त	: ₹ 45,64,000/-
सेवाओं के लिए राजस्व	: ₹ 3,32,22,085/-
अन्य कारोबार	: ₹ 2,77,680/-

2. एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट इनिशिएटिव

अन्य कारोबार	₹ 3,19,54,000/-

16. आकस्मिक देयताएं

(राशि ₹ में)

	विवरण	2019-20	2018-19
क	पूंजीलेखा के शेष अनुमानित रकम को पूरा किया जाना है जिनका प्रावधान नहीं किया गया	118,82,41,194	1,49,65,49,525
ख	बकाया बैंक गारंटी	21,22,867	18,61,518
ग	कंपनी के विरुद्ध दावे/विवादित देयतां, जिनको ऋण नहीं माना गया है।		
	बिक्री कर/वैट/प्रवेश कर मामले	33,50,683	33,50,683
	सेवा कर मामले	55,10,5817	10,93,61,719
	सीमा शुल्क मामले	-	-
	वीसैट सेवायें*	-	36,50,86,773
	आईएसपी–आईटी के संदर्भ में डॉट लाईसेंस फीस*	1,53,18,852	28,85,01,046

* वीसैट लाइसेंस से संबंधित ₹ 36.50 करोड़ और आईएसपी लाइसेंस से संबंधित ₹ 27.42 करोड़ की मांग दूरसंचार विभाग द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2020 के आदेश द्वारा वापस ले ली गयी है। तदनुसार, डॉट लाइसेंस फीस सम्बन्धी आकस्मिक देयता में ₹ 26.43 करोड़ की कमी की गयी है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2017–18 से संबंधित ₹ 58.55 लाख के लाइसेंस फीस और वित्त वर्ष 2014–15 से संबंधित ₹ 30.06 लाख के लाइसेंस फीस का वर्ष के दौरान दूरसंचार विभाग को भुगतान कर दिया गया है।

(घ) आयकर विभाग ने निर्धारण वर्ष 2008–09 से 2018–19 के लिए मांग पत्र भेजा है। मामलों की वर्तमान स्थिति नीचे दिए अनुसार है:

निर्धारण वर्ष	मांग की गयी (राशि ₹ में)	किस विभाग में मामला लम्बित पड़ा है।
2010-11	4,85,01,470	आईटीएटी ने आदेश दिनांक 17.2.2020 द्वारा मामले को वापस भेज दिया है
2011-12	67,46,510	सीआईटी (अपील) ऑर्डर के खिलाफ एसटीपीआई ने आईटीएटी में अपील दायर की है।
2013-14	8,80,12,937	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2014-15	31,35,88,480	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2016-17	8,70,94,840	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2017-18	20,21,99,248	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2018-19	49,350	एसटीपीआई ने टीडीएस की मांग के लिए सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
	4,53,820	देयता की पहचान

अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर तथा सोसाइटी के अन्य संबंधित प्रावधानों की व्याख्या को ध्यान में रखते हुए सोसाइटी का मत है कि मांग–पत्र रद्द किया जा सकता है। तदनुसार इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

17. निम्नलिखित मामलों में प7ाधारी दस्तावेजों पर कार्रवाई की जानी है:

केन्द्र का नाम	कार्य	मूल लागत	डब्ल्यू डी वी
आइजोल	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य
इम्फाल	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य
शिलांग	भूमि तथा भवन	1/– ₹ प्रति वर्ष	शून्य

18. चालू वर्ष के आकंडो से तुलन याग्य बनाने के लिए आवश्यक होने पर विगत वर्ष के आकंड़ो को पनुर्गठित या पुनः वगीर्कृत किया गया है ।
19. सभी आंकडों को निकटतम रूपयों में दर्शाया गया है।

कृते जे सी भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
पंजीकरण सं– 001111एन

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता सं. 505002

(पी.एन. सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरिष्ठ निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

दिनांक: 14.01.2021
स्थान: नई दिल्ली

सूचना का अधिकार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2(ज) के शर्तों के अंतर्गत लोक प्राधिकारी है। एक आरटीआई सेल एसटीपीआई मुख्यालय,नई दिल्ली में स्थित है जिसमे नौ केन्द्रों के सहायक लोक सूचना अधिकारी, एक केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी और एक प्रथम अपीलीय प्राधिकारी कार्य कर रहे हैं। आरटीआई सेल का कार्य सूचना का अधिकार आवेदन को हार्ड कॉपी के रूप में और आरटीआई वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करना है और आवेदनकर्ता द्वारा एसटीपीआई से संबन्धित मांगी गयी स्वीकार्य सूचना प्रस्तुत करना है। सेल का उत्तरदायित्व है कि वह मुख्य सूचना आयुक्त को अधिनियम में उल्लिखित उपबंधों के अनुसार अपेक्षित विवरण भी प्रस्तुत करे।

1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक आरटीआई सेल में प्राप्त आवेदनों/अपील की संख्या निम्न प्रकार है:

प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या	निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या	लंबित
83	83	0
प्राप्त आरटीआई अपील की संख्या	निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या	
5	5	0

एसटीपीआई के केन्द्रों और उपकेन्द्रों का नाम और पता

1. **अगरतला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मुकुट बिपानी बिटान, दूसरी मंजिल, लिचु बगान,
अगरतला – 799010 त्रिपुरा (पश्चिम)
टेलीफोनः + 381–2416005
फैक्सः + 381–2416005
ई–मेलः agtl.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

2. **औरंगाबाद**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0–टी 25, एमआईडीसी, चिकलथाना, गरवारे स्टेडियम
के पास, औरंगाबाद–431210 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–240–2473859
फैक्सः +91– 240–2473860
ई–मेलः praful.patinge@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

3. **इन्दौर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमपीएसईडीसी एसटीपी बिल्डिंग,
इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स, परदेसीपुरा,
इन्दौर – 452010 (मध्य प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–731–4024440,
फैक्सः +91–731–4030880
ई–मेलः sanjaykumar.verma@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-ind

4. **इम्फाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंत्रीपुखरी, एनएच – 39,
इम्फाल – 795001 (मणिपुर)
टेलीफोनः + 91–385–2423237
फैक्सः + 91–385–2423237
ई–मेलः impl.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

5. **एज़वॉल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, सीएच. चूंगा बस टर्मिनल बिल्डिंग, थुमपुई,
एजवॉल–796017, (मिजोरम)
टेलीफोन :+91–0389–2350337
फैक्सः + 91–0389–2350337
ई–मेल ::azl.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

6. **काकीनाड़ा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
कलेक्ट्रेट कम्पाउडं,
काकीनाड़ा–533004 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–884–6660111
फैक्सः + 91–884–6660112
ई–मेलः mallesh.av@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

7. **कानपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूपीएसआईडीसी कॉम्पलेक्स, ए–1/4, लखनपुर,
कानपुर – 208024 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–512–2580176
फैक्सः + 91–512–2584765
ई–मेलः knp.info@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-knp

8. **कोयम्बटूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसएफ नं० 333/1, भूमि तल,
कुमारगुरू कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी कैम्पस, चीन्नावेदम पट्टी,
कोयम्बटूर – 641049 (तमिल नाडु)
फोनः +91–422– 2669682
ई–मेल : chennai.cbe@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

9. कोलकाता

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूईबीईएल एसटीपी–II बिल्डिंग,
दूसरी मंजिल, डीएन – 53,
सैक्टर – V, साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता – 700091 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः +91–33–23673598 / 99
फैक्सः +91–33–23673597
ई–मेलः kol.info@stpi.in
URL: www.kol.stpi.in

10. कोल्हापुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यलम्मा मंदिर के पीछे,
जयप्रभा स्टूडियो के सामने
आईटी पार्क, कोल्हापुर – 416012 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91 – 231–2644429
फैक्स : + 91 – 231–2644429
ई–मेलः sachin.narule@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

11. खड़गपुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूबीआईआईडीसी औद्योगिक केंन्द्र,
प्लॉट सं० 3, सेक्टर – बी,
नीमपुरा, जिला– पश्चिम मिदीनीपुर,
खड़गपुर – 721303 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3222–234436 / 233014
फैक्सः +91–033–23673597
ई–मेलः durgapur.oic@stpi.in
URL: www.kol.stpi.in

12. गंगटोक

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ऊपरी मंजिल, सिक्किम ज्वैल्स लि० कॉम्पलेक्स,
राष्ट्रीय राजमार्ग– 10, तादोंग,
गंगटोक – 737102 (सिक्किम)
टेलीफोनः + 91–3592–271193 / 94
फैक्सः + 91–3592–271193
ई–मेलः gtk.info@stpi.in
URL: www. Guwahati.stpi.in

13. गांधीनगर

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नौवीं मजिल, गिफ्ट (जीआईएफटी) वन टॉवर,
ब्लॉक –56, रोड़ –5 सी,
जोन–5, गिफ्ट (जीआईएफटी) सिटी,
गांधीनगर – 382355 (गुजरात)
टेलीफोनः + 91–79–66748531 / 32
फैक्सः 91–79– 66748533
ई–मेलः gnr.info@stpi.in
URL: www.gnr.stpi.in

14. गुरूग्राम

प्रभारी अधिकारी
प्लॉट नं0 30, इलेक्ट्रॉनिक सिटी,
सेक्टर 18, गुरूग्राम–122015 (हरियाणा)
टेलीफोनः + 91–124–2455050
ई–मेलः rajneesh@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in

15. गुवाहाटी

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एलजीबीआई एयरपोर्ट के पास, बोरझार,
गुवाहाटी – 781015 (असम)
टेलीफोनः + 91–361–2841269, 2841374
फैक्सः + 91–361–2842657
ई–मेलः guw.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

16. ग्वालियर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गांव गंगा मंलनपुर, मुरैना लिंक रोड,
ग्वालियर–474005 (मध्य प्रदेश)
टेलीफोन : 91–0751–2820405
ई–मेलः sanjaykumar.verma@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in

17. गोवा

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, उद्योग भवन,
पणजी–403001 (गोवा)
टेलीफोनः +91–832–2226828,
ई–मेलः dinesh.bhagar@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

18. चेन्नई

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नं0 5, तीसरी मंजिल, राजीव गांधी सलाई,
तारामणी, चेन्नई–600113 (तमिल नाडु)
टेलीफोनः + 91–44–22541202, 39103525
फैक्सः + 91–44–39103506
ई–मेलः sanjay.tyagi@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

19. जम्मू

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ई.पी.आई.पी करथौली, बड़ी ब्रहामणा,
जम्मू (जम्मू व कश्मीर)–181133
टेलीफोनः 91–191–2300381
फैक्स : 91–191–2300500
ई–मेलः asim.khan@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-sgr

20. जयपुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
आईटी–21, आईटी पार्क, ईपीआईपी,
सीतापुर, इंडस्ट्रीयल एरिया,
जयपुर – 302022 (राजस्थान)
टेलीफोनः + 91–141–2770891 / 2770192
फैक्सः + 91–141–2770890
ई–मेलः avadhesh.srivastava@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-jpr

21. जोधपुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सीवाईबी–1, साईबर पार्क,
भारी औद्योगिक क्षेत्र,
सरस डेयरी के निकट,
जोधपुर – 342003 (राजस्थान),
टेलीफोनः + 91–291–2002116
फैक्स : + 91–291–2002116
ई–मेलः vadhesh.srivastava@stpi.in
URL: : www.noida.stpi.in/p-jdr

22. तिरूनेलवेली

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
41–डी, वसन्तपुरम साउथ स्ट्रीट
बाईपास रोड,
तिरूनेलवेली – 627005 (तमिल नाडु)
टेलीफोनः 09994359819
ई–मेल : vganapathi@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

23. तिरूपति

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे सं० 234, अर्बन हाट के पीछे, त्रिचनूर रोड,
तिरूपति – 517503 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–877–2239262
फैक्सः + 91–877–2239262
ई–मेलः varaprasad.y@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

24. तिरूवनंतपुरम

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी–21, तेजस्विनी भवन, टेक्नोपार्क,
तिरूवनंतपुरम – 695581 (केरल)
टेलीफोनः + 91–471–2700404 / 607 / 707 / 807
फैक्स : + 91–471–2700505
ई–मेलः tvpm.do@stpi.in
URL: thiruvananthapuram.stpi.in

25. त्रिची

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
बी–9, लाइट इंजिनियरिंग शेड
टीआरईसी– एसटीईपी, एनआईटी कैम्प्स,
त्रिची–620015 (तमिल नाडु)
टेलीफोनः + 91–0431–2501585
फैक्सः + 91–0431–2501586
ई–मेलः r.pattabi@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

26. दुर्गापुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
शहीद सुकुमार बनर्जी सराणी,
विधान नगर, जिला – पश्चिम वर्धमान,
स्पेन्सर के सामने, दुर्गापुर – 713212 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–343–2531294 / 95
फैक्सः + 91–033–23673597
ई–मेलः durgapur.oic@stpi.in
URL: www.kol.stpi.in

27. देहरादून

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 आईटी–01, इंटीग्रेटिड इंडस्ट्रीयल इस्टेट
(आईआईई), आई, टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून –248013 (उत्तराखंड)
टेलीफोनः + 91–135–2608003 / 2608202
फैक्सः + 91–135–2608940
ई–मेलः ddn.oic@stpi.in
URL: http://www.noida.stpi.in/p-ddn

28. देवघर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 एनएस 15 (पार्ट) इंडस्ट्रीयल एरिया, जसीडीह
फेज–I, देवघर–814142 (झारखंड)
टेलीफोनः + 91–651–2462270
फैक्सः + 91–651–2462280
ई–मेलः ran.info@stpi.in
URL: bhubaneswar.stpi.in/deoghar

29. नागपुर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 3, आईटी पार्क, पारसोडी,
वीआरसीई टेलीफोन एक्सचेंज के पास,
नागपुर–440022 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–712–2227774,
फैक्सः + 91–712–2234960
ई–मेलः sanjay.darne@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

30. नासिक

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं0 आईटी–I, आईटी पार्क,
ई–2 ब्लॉक के सामने, एमआईडीसी, अम्बड.,
नासिक – 422010 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–253–2382835
फैक्स : + 91–253–2382835
ई–मेलः sachin.purnale@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

31. नोएडा

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गंगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कॉम्पलेक्स,
ब्लॉक– IV, सैक्टर–29, नोएडा –201 303 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–120–2470400
फैक्सः + 91–120–2470403
ई–मेलः rajneesh@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in

32. पटना

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
13वीं मंजिल, बिस्कोमान टावर,
माड्यूल ए5, एसटीपी काम्प्लेक्स,
गांधी मैदान के पश्चिम, पटना – 800001 (बिहार)
टेलीफोनः 91–612–2205627
फैक्सः 91–612–2205627
ई–मेलः patna.info@stpi.in
URL: www.patna.stpi.in

33. पुदुच्चेरी

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
पुदुच्चेरी इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस,
टेकनोपोलिस बिल्डिंग–I, पिल्लचावड़ी,
पुदुच्चेरी – 605014 (तमिलनाडू)
टेलीफोनः + 91–413–2656317 / 18
फैक्स : + 91–413–2656318
ई मेल : senthilv@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

34. पुणे

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं०. पी–1, फेज – I,
राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क,
एमआईडीसी, हिंजवाडी,
पुणे – 411057 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91–20–22981000 / 22934475
फैक्स : + 91–20–22981010
ई–मेलः sanjay.gupta@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

35. प्रयागराज

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमएनएनआईटी कैम्पस, लखनऊ रोड,
प्रयागराज–211 004 (उत्तरप्रदेश)
टेलीफोनः + 91–532–6500130
फैक्स : + + 91–532–2545628
ई–मेलः albd.info@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-ald

36. ब्रह्मपुर

प्रभारी अधिकारी,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0. 860 / 4562,
आयकर कार्यालय के नजदीक, अम्बापुआ,
ब्रह्मपुर–760011 (ओडिशा)
टेलीफोन : 91–680–2404300
फैक्स : 91–680–2404232
ई मेल : berhampur@stpi.in
URL: www.bam.stpi.in

37. बेंगलुरू

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सं० 76 और 77, 6ठी मंजिल, साईबर पार्क,
इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसुर रोड,
बेंगलुरू–560100 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–080–66186049, 66186109
फैक्सः + 91–080– 28521161
ई–मेलः shailendra.tyagi@stpi.in
URL: www.blr.stpi.in

38. भुवनेश्वर

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एलीट बिल्डिंग, ईडको प्लॉट नं 2 ए, औद्योगिक क्षेत्र,
गोठपटना, पोस्ट मालीपड़ा, जिला खुर्दा,
भुवनेश्वर –751003 (ओडिशा)
टेलीफोनः + 91–674–2623001
फैक्सः + 91–674–2302307
ई–मेलः dir.bbioffice@stpi.in
URL: www.bbs.stpi.in

39. भोपाल

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 सी–11, आईटी पार्क,
आरजीपीवी के नजदीक, न्यू जेल रोड,
गांधी नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश – 462038
टेलीफोनः 91–0755– 2986688
फैक्सः 91–0755– 2986688
ई–मेलः sanjaykumar.verma @stpi.in
URL: www.noida.stpi.in

40. भिलाई

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व),
भिलाई, (छत्तीसगढ़)
टेलीफोन : +91–788–4040330
फैक्सः +91–788–4040326
ई–मेलः dhiren.behera@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/bli

41 मदुरै

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
त्यागराज इंजीनियरिंग कालेज परिसर,
मदुरै – 625015 (तामिल नाडु)
टेलीफोन : 91–452– 2482294
फैक्स : 91–452–2482025
ई–मेल : chennai.madurai@stpi.in
URL: www.chennai.stpi.in

42. मणिपाल

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, कार्मिक भवन,
राजीव नगर, न0. 80, बडागुबेट्टु, अलेवूर रोड,
मणिपाल पारकला पोस्ट,
उडुपी जिला–576104 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–820–2575752
ई–मेल : mgl.support@stpi.in
URL: www.blr.stpi.in

43. मैंगलूरू

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ब्लूबेरी हिल, हरी पडावु रोड, डेरेबल,
मैंगलूरू – 575008 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–824–2212189 / 139
फैक्सः + 91–824–2216555
ई–मेलः ravindra.aroor@stpi.in
URL: www.blr.stpi.in

44. मुम्बई

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
चौथी मंजिल, समृद्धि वेन्चर पार्क,
गाला, नं0 4, एमआईडीसी, सेन्ट्रल रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुम्बई–400093 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–22–28343742
फैक्सः + 91–22–28395384
ई–मेलः manas.ray@stpi.in
URL: www.mah.stpi.in

45. मोहाली

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सी–184, औद्योगिक क्षेत्र, फेज–8 ए,
सैक्टर – 75, मोहाली (पंजाब)–160071
टेलीफोनः + 91–172–2237067 / 1
फैक्सः 91–172–2237066
ई–मेलः ajay.shrivastava@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in

46. मैसूर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसजेसीई – एसटीईपी कैम्पस, मानस गंगोत्री
मैसूर – 570006 (कर्नाटक)
टेलीफोनः +91–821–2412090, 2517780 / 90
फैक्सः + 91–821–2412080
ई–मेलः jayaprakash@stpi.in
URL: www.blr.stpi.in

47. रांची

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० 8 पार्ट, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र,
नामकुम, रांची – 834010 (झारखण्ड),
टेलीफोनः + 91–651–2462270, 8986641170
ई–मेलः ran.info@stpi.in
URL: www.bhubaneswar.stpi.in/ranchi

48. राउरकेला

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सेक्टर–5, नजदीक पंथ निवास,
राउरकेला–769002 (ओडिशा)
टेलीफोनः + 91–661–2643745
फैक्सः + 91–661–2643295
ई–मेलः ashok.yadav@stpi.in
URL: : www.bhubaneswar.stpi.in/rourkela

49. लखनऊ

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसटीपी कॉम्पलेक्स, गोमती बैराज के पास,
गोमती नगर, लखनऊ –226010 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–522–2307913 / 15
फैक्सः + 91–522–2307930
ई–मेलः lko.info@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-lko

50. वारंगल

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
काकतिया आईटी पार्क,
एच नं0 2–5–906 / 1, 2, सर्किट हाऊस रोड,
हनमकोंडा, वारंगल–506001 (टीएस)
टेलीफोन : + 91–870–2446944
फैक्स : + 91–870–2446944
ई–मेलः ramakishore.babu@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

51. विजयवाडा

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज कैम्पस,
स्टेला कॉलेज के सामने, बेंज सर्कल के नजदीक,
विजयवाडा – 520008 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : + 91–866–2494243
ई–मेलः sanjeev.v@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

52. विशाखापट्टनम

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूनिट नं0 9,एसडीएफ–1, बिल्डिंग,
विशाखापट्टनम स्पेशल इकनॉमी ज़ोन,
नजदीक दुवादा रेलवे स्टेशन,
विशाखापट्टनम–530049 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : 91–741–6452474
ई–मेलः dubey@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

53. शिलांग

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
लमजिंगशाई, छोटा गोलचक्कर मार्ग,
शिलांग – 793001 (मेघालय)
टेलीफोनः +91–364–2591022
फैक्सः +91–364–2591022
ई–मेलः slg.info@stpi.in
URL: www.guwahati.stpi.in

54. शिमला

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
इन्क्यूबेशन सेंटर, ब्लॉक न. 24,
एसडीए काम्पलेक्स, कसुमपती
शिमला – 171009 (हिमाचल प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–177–2627858
फैक्स : + 91–177–2627858
ई–मेलः shimla.admin@stpi.in
URL: : www.noida.stpi.in/p-shm

55. श्रीनगर

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 सिडको, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स,
पुराना एयर पोर्ट रोड, रंगरेठ,
श्रीनगर – 191132 (जम्मू व कश्मीर)
टेलीफोनः + 91–194–2300520 / 381
फैक्सः + 91–194–2300500
ई–मेल : asim.khan@stpi.in
URL: www.noida.stpi.in/p-sgr

56. सिलीगुड़ी

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं० जेएल 86, मतीगरा,
उत्तरायन के सामने, जिला – दार्जिलिंग
सिलीगुडी – 734010 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91– 353–2571986 / 87
फैक्स : 91–033–23673597
ई–मेलः siliguri.oic@stpi.in
URL: www.kol.stpi.in

57. सूरत

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एफ नह 27, टीपी 22, जियाव बुदिया रोड़,
सेमेश्वर सोसॉयटी के नजदीक, बिष्ठान,
सूरत– 395023 (गुजरात)
टेलीफोनः + 91–7405003029
ई–मेल : surat.info@stpi.in
URL: www.gnr.stpi.in/P-surat.html

58. हल्दिया

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न० 149, देभोग, भवानीपुर,
जिला पूर्व मेदिनीपुर,
हल्दिया – 721657 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोनः + 91–3224–255062 / 92
फैक्सः 91–033–23673597
ई–मेलः durgapur.oic@stpi.in
URL: www.kol.stpi.in

59. हैदराबाद

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 क्यू 3, 6ठी मंजिल, साइबर टावर,
हाइटेक सिटी, माधापुर,
हैदराबाद – 500081 (टीएस)
टेलीफोनः +91–40–66415600 / 11
फैक्सः +91–40–23100501
ई–मेलः ram@stpi.in
URL: www.hyd.stpi.in

60. हुबली

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
चौथी मंजिल, ब्लॉक ए, आईटी पार्क,
इंदिरा ग्लास हाऊस के सामने,
हुबली – 580029 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–836–2257090 / 92 / 93
फैक्सः + 91–836–2257091
ई–मेलः v.sasikumar@stpi.in
URL: : www.blr.stpi.in

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
पहली मंजिल, प्लेट–बी, कार्यालय ब्लॉक – 1, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली – 110023
Phone: +91 11 24628081 | Website: www.stpi.in